डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 349 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 07 अक्टूबर 2024 | मूल्य 2 रुपया

आसमान छू रहे हरी सब्जियों के भाव

मंदसौर, 06 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। त्योहारी सीजन की शुरुआत से पहले खाद्य तेल के दाम बढ़े। अब सब्जी के की कीमते आसमान छू रही है। जिससे आम आदमी की जेब ढीली हो गई है। त्योहारी सीजन की शुरुआत हो गई है। खाद्य तेल के बाद अब सब्जियों की कीमत भी आसमान छू रही है। त्योहारी सीजन में लोगों के घर में अलग-अलग व्यंजन बनते हैं। ऐसे में अब सब्जियों के दाम बढने से आम आदमी की जेब खाली होना लाजमी है। इन दिनों प्याज,आलू, टमाटर, हरी मिर्च, धनिया के दाम आसमान छू रहे हैं। इन दिनो टमाटर बाजार में 60 से 80 रुपए प्रति किलो मिल रहा है। प्याज भी आम आदमी को रुला रहा है। प्याज के दाम बाजार में 60 से 80 रुपए किलो है। इधर जो हरा धनिया पहले 50 रुपए किलो बिक रहा था। अब 200 रुपए किलो बिक रहा है। हरी मिर्च ने भी हाल-बेहाल कर दिए हैं। पहले 30 रुपए किलो बिक रही थी। अब 100 रुपए किलो बिक रही है। अदरक भी कुछ कम नहीं है। उसकी कीमत भी 180 रुपए प्रति किलो चल रही है। टमाटर 80 रुपए, आलू 50 रुपए और लहसून 400 रुपए किलो में मिल रही है।

भोपाल में ड्रग्स फैक्ट्री का पर्दाफाश

1800 करोड़ रुपये का एमडीएमए बरामद, दो गिरफ्तार, मंदसौर से जुड़े तार

भोपाल/मंदसौर, 06 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। गुजरात के आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो दिल्ली की टीम ने एमडी ड्रग के विरुद्ध चल रहे अभियान में अब तक की सबसे बड़ी सफलता हासिल की है। जांच एजेंसियों ने भोपाल के बागरोदा औद्योगिक क्षेत्र में एक बंद पड़ी फैक्ट्री में छापामार कार्रवाई करते हुए एमडी ड्रग और इसे बनाने में उपयोग होने वाला कच्चा माल जब्त किया है। इसकी कीमत 1800 करोड रुपए से ज्यादा बताई जा रही है। जांच एजेंसियों ने यहां से दो लोगों को गिरफ्तार भी किया है। इसी मामले में मंदसौर जिले के माल्याखेरखेड़ा निवासी हरीश आंजना को भी एटीएस ने उठाया है। खबर लिखे जाने तक उससे मंदसौर पुलिस कंट्रोल रुम में पूछताछ चल रही थी। एजेंसी यह निश्चित कर रही थी कि हरीश का इस मामले में इन्वाल्वेन्ट है या नहीं? वैसे संभावना है कि एटीएस उससे पूछताछ कर अपने साथ ही ले जाएगी। एटीएस द्वारा भोपाल में आरोपी अमित प्रकाशचंद्र चतुर्वेदी उम्र 57 साल निवासी भोपाल एवं सान्याल प्रकाश बाने उम्र 40 साल निवासी नासिक महाराष्ट्र को पकड़ा है।

बता दें कि भोपाल में गुजरात एटीएस और एनसीबी की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। प्रतिबंधित ड्रग एमडीएमए बनाने के कारखाने का भंडाफोड़ किया है। भोपाल के पास इंडस्ट्रियल एरिया बागरोदा पठार में गुजरात एटीएस, दिल्ली एटीएस और दिल्ली एनसीबी ने प्लॉट नंबर 63 कटारा हिल्स स्थित निजी फैक्ट्री में छापा मारा। सूत्रों के मुताबिक फैक्ट्री से 1814 करोड की एमडी और उसे बनाने में उपयोग आने वाला सामान बरामद किया गया। इस पूरी कार्रवाई में राजधानी भोपाल की पुलिस को दूर रखा गया।

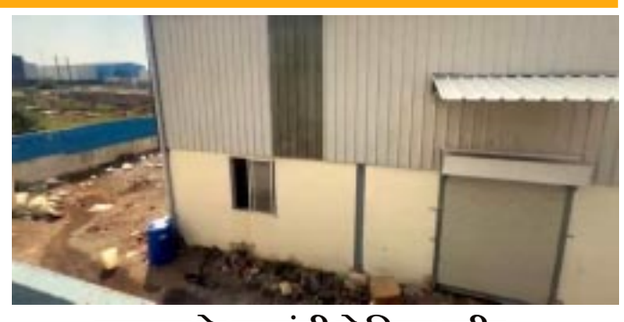

गुजरात के गृहमंत्री ने किया ट्वीट...

गुजरात के गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने भारी मात्रा में ड्रग्स की बरामदगी के लिए टीम को बधाई दी। उन्होंने खुद कहा है कि यह अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है। अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए लिखा- 'गुजरात एटीएस और दिल्ली एनसीबी की टीम को ड्रग्स के खिलाफ लडाई में मिली बड़ी जीत पर बधाई। हाल ही में भोपाल की फैक्ट्री पर रेड डाली गई और एमडी (ड्रग्स) व उसे बनाने वाला पदार्थ बरामद किया गया, जिसकी कीमत 1814 करोड़ रुपये बताई गई है। उन्होंने लिखा, 'यह उपलब्धि हमारी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के ड्रग्स की तस्करी से लड़ने में उनके अथक प्रयास को दर्शाती है। उनका प्रयास हमारे समाज की सुरक्षा और सेहत की सुरक्षा के लिए अहम है। उनका यह समर्पण सच में तारीफ के काबिल है। भारत को सुरक्षित और सेहतमंद राष्ट्र बनाने के उनके मिशन में उनका साथ देना जारी रखें।'

सूरत से पकड़ी ड्रग से मिला था इनपुट..

बता दें कि बता दें कि इससे पहले 18 जुलाई को गुजरात एटीएस की एक टीम ने सूरत के पलसाना में एक फैक्ट्री पर छापेमारी कर भारी मात्रा में ड्रग्स और नशीले पदार्थ बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाला कच्चा माल बरामद किया था। एटीएस की टीम को पलसाना के कारेली में स्थित फैक्ट्री में ड्रग्स की सूचना मिली थी। एटीएस को पता चला था कि ड्रग्स का गोरखधंधा रिहायशी इलाकों के बीच एक फैक्ट्री में चल रहा है। गुप्त सूचना के आधार पर गुजरात एटीएस ने कार्रवाई करते हुए फैक्ट्री पर छापा मारा और भारी मात्रा में ड्रग्स बरामद किया। इस दौरान तीन आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया था। इसी से मिली इनपुट के बाद अगस्त में महाराष्ट्र के भिवंडी से भी 800 किलो ड्रग बरामद किया था। इन्हीं आरोपियो द्वारा मिले इनपुट पर एटीएस लगातार भोपाल पर नजर लगाए हुए थी।

नौ सो किलो से ज्यादा मेफेड्रोन ड्रग्स जप्त...

प्रदेश सरकार की नाक के नीचे 1814 करोड़ रुपये कीमत का एमडीएमए बनाने का कारखाना चल रहा था। गुजरात एटीएस और दिल्ली एनसीबी ने मध्य प्रदेश पुलिस व एमपी एटीएस को बिना जानकारी दिए राजधानी भोपाल के इंडस्ट्रियल एरिया बागरोदा की फैक्ट्री में छापेमारी की। बंद पड़ी फैक्ट्री में अरबों रुपये कीमत के प्रतिबंधित ड्रग बनाने का कारखाना चल रहा था। गुजरात पुलिस को यहां से 907.09 किलोग्राम मेफेड्रोन (एमडी) ड्रग्स जब्त किया है। इसके अलावा छापेमारी के दौरान मेफेड्रोन (एमडी) बनाने में इस्तेमाल होने वाला लगभग 5 हजार किलोग्राम कच्चे माल और कई उपकरण भी मिले। मौके से ग्राइंडर, मोटर, ग्लास फ्लास्क और हीटर भी मिला है। फिलहाल इन सभी को आगे की जांच के लिए जब्त कर लिया गया है।

सूत्रों के मुताबिक सान्याल प्रकाश बाने हाल ही में ऑर्थर रोड जेल से ड्रग्स के मामले में छूटा था। सान्याल 2017 में एमडीएमए मामले में ही पकड़ा था। पांच साल तक सजा काटने के बाद उसने अमित चतुर्वेदी के साथ टीम बनाकर प्रतिबंधित ड्रग बनाने का कारखाना शुरू किया। सान्याल प्रकाश इस पूरे कारखाने और फैक्ट्री का मास्टरमाइंड है। उसी के जरिए बना हुआ ड्रग देश के अलग-अलग हिस्सों में भेजा जा रहा था। बता दें कि 6 से 7 महीने पहले इन दोनों ने बागरोदा में यह फैक्ट्री किराए पर लिया और प्रतिबंधित ड्रग बनाने का कारखाना शुरू किया। यह अब तक का गुजरात एटीएस का सबसे बडा ऑपरेशन है।

एक करोड़ की एमडी ड्रग्स के साथ दो युवक गिरफ्तार

पांच किलो डोडाचूरा भी जप्त, एक आरोपी की तलाश जारी

मंदसौर, 06 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मल्हारगढ़ पुलिस ने महू-नीमच राजमार्ग से बाइक सवार दो युवको के कब्जे से एक करोड़ रुपए की एमडी ड्रग्स और 05 किलो डोडाचूरा जप्त किया है। पुलिस ने मामले में दोनो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जिस व्यक्ति से मादक पदार्थ लाया गया था। उसकी तलाश की जा रही है।

पुलिस कप्तान श्री अभिषेक आनंद ने बताया कि सूचना मिलने पर मल्हारगढ़ पुलिस ने कृषि उपज मंडी के सामने दबिश दी। इस दौरान बिना नंबर की पल्सर पर सवार होकर जा रहे राजेश पिता शांतीलाल माली उम्र 29 साल निवासी लदुना थाना सीतामऊ व अंकित पिता मोतीलाल माली उम्र 19 साल निवासी लदुना थाना सीतामऊ को रोककर तलाशी ली गई। जिसमें उनके पास कुल 500 ग्राम एमडी व 05 किलोग्राम पीसा हुआ डोडाचुरा मिला। पूछताछ में पता चला कि मादक पदार्थ रोहित परमार निवासी पालाखेडी थाना सीतामऊ से लाया गया है। पुलिस ने रोहित की तलाश शुरु कर दी है। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/22, 15, 29 के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

तीन दिन के रिमांड पर आरोपी...

मामले में पुलिस ने राजेश पिता शांतीलाल माली उम्र 29 साल व अंकित पिता मोतीलाल माली उम्र 19 साल दोनो निवासी लदुना थाना सीतामऊ को न्यायालय में पेश किया। जहां से दोनो को तीन अर्थात 08 अक्टूबर तक पुलिस रिमांड पर सौंपा गया है। अब पुलिस दोनो से विस्तृत पूछताछ कर रही है। मामले में फरार आरोपी पालाखेड़ी थाना सीतामऊ निवासी रोहित परमार को पुलिस तलाश रही है।

नशामुक्ति के लिए पुलिस कार्रवाई नाकाफी...

नशे के गढ़ में नदारद हो गया नशामुक्ति केंद्र

मंदसौर, 06 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। समाज और शहर को नशे का नशा मुक्ति अभियान पूरी तरह सफल होता नजर नहीं आ रहा है।

से मुक्त करना केवल पुलिस की कार्रवाई से संभव होता नहीं दिखता है। स्मैक के आदी हो चुके लोगों पर पुलिस सिर्फ एफआईआर कर सकती है। इसके अलावा अधिकारी चाहे तो उन्हें नशामुक्ति केंद्र भेज सकते हैं। लेकिन, नशे के गढ़में ही नशामुक्ति केंद्र नदारद हो चुका है। अफसरों की तानाशाही का नतीजा है कि सालों से संचालित हो रहे नशामुक्ति केंद्र की सुविधा अब मंदसौर में नहीं है। इलाज के लिए भोपाल, इंदौर और उदयपुर ही एक रास्ता है। जहां पचास हजार रुपए तक खर्च होते हैं। हर नशे से पीड़ित के परिवार यह स्थिति नहीं होती कि 50 हजार खर्च कर उपचार कराए। इधर पुलिस के पास भी इस तरह का कोई फंड नहीं आता। कुल मिलाकर पुलिस

जिला मुख्यालय मंदसौर पर दो दशक से ज्यादा समय से संचालित होता रहा नशामुक्ति केंद्र कोरोना काल से बंद हैं। कोविड के दौर में स्वास्थ्य विभाग ने इस जगह आरटीपीसीआर लैब खोल दी थी। ताजा स्थिति में ना नशामुक्ति केंद्र संचालित है और ना ही आरटीपीसीआर लैब। मजबूरन नशे की लत वाले युवाओं को इंदौर-भोपाल या उदयपुर स्थित नशामुक्ति केंद्र भेजना पड़ रहा है। वहां 40 से 50 हजार रुपए महीना खर्च होता है। इसमें रहने का इंतजाम, डाइट चार्ट के मान से जरूरी फूड, मेडिकल कोर्स, योग टीचर, काउंसलर और अलग-अलग सेशन शामिल हैं। मध्यमवर्गीय परिवार इतना खर्च वहन नहीं कर पाते। रेडक्रॉस चेयरमैन प्रितेश चावला कहते है कि हम नशामुक्ति केंद्र फिर प्रारंभ कराना चाहते हैं। इसके लिए प्रशासन से पत्राचार कर चुके हैं। इधर, सामाजिक न्याय विभाग के पास सालाना नशामुक्ति प्रोजेक्ट के नाम से 10 लाख रुपए का बजट जारी होता है।

कोविड दौर में नशामुक्ति केंद्र की जगह पर प्रशासन-स्वास्थ्य विभाग ने 1 करोड़ रुपए से आरटीपीसीआर लैब बना डाली और केंद्र का अस्तित्व खत्म हो गया। इधर लेब शुरु होते ही नशा मुक्ति केंद्र भी बंद कर दिया गया। अभी उदयपुर में उपचार करा रहे एक नशा पीड़ित के परिजन ने बताया 40 हजार मासिक खर्चा हो रहा है। मंदसौर का नशामुक्ति केंद्र बंद होने से कई रोगियो के परिजन परेशान हैं।

रेडक्रास करता था संचालन...

मंदसौर के बड़े अस्पताल में रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा नशामुक्ति केंद्र संचालित करने के दौरान 20 बेड, मनोरंजन के लिए टेलीविजन, कैरम व अन्य स्पोर्ट्स एक्टिविटी के इंतजाम थे। रूटीन चैकअप, काउंसलर थे। यहां स्मैक, गांजा, अफीम, शराब, डोडाचूरा का पानी जैसे नशे की लत वाले युवा एडमिट होते थे, परिजन उन्हें लेकर आते थे। 3 से 6 माह तक के कोर्स होते रहे है।

गनेडीवाल धर्मशाला में शुरु होना था केन्द्र...

तत्कालीन कलेक्टर गौतमसिंह ने गनेडीवाल धर्मशाला का निरीक्षण किया था और गनेडीवाल धर्मशाला में नशामुक्ति केंद्र प्रारंभ करना तय हुआ, जीर्णोद्धार की जरूरत बताई थी। तय हुआ कि केंद्र में आउटडोर की सुविधा भी देंगे। यह निर्णय हुआ था कि अस्पताल की ओपीडी मे एक कक्ष का नाम 'मन' होगा, जहां मानसिक रोगी व नशे की लत वाले उपचार करा पाएंगे। आउटडोर यूनिट की भी जरूरत महसूस की थी। निर्धारित दिन 9 फरवरी पर शुभारंभ नहीं हो पाया, 20 फरवरी को कलेक्टर का तबादला जरूर हो गया। रेडक्रॉस सोसायटी चेयरमैन प्रीतेश चावला कहते है कि हम तो बरसों से नशामुक्ति केंद्र का संचालन रियायती दर पर करते आए, सैकड़ो लोगो का उपचार हुआ। किन्तु, उस जगह लैब खोल दी। सोसायटी की बिल्डिंग थी और सेंट्रल से पैसा आया था। प्रशासन ने बंद कर डाला था तो हमने तत्कालीन कलेक्टर गौतमसिंह से पत्राचार किया था। कोविड जाने के बाद भी केंद्र बंद कर रखा है।

चीताखेड़ा बैंक लूट का पर्दाफाश, दो आरोपी गिरफ्तार

मास्टर माइंड पर पूर्व में दर्ज है बैंक लूट के 07 अपराध, 03 अपराधों में काट चुका है सजा

नीमच, 06 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। बीती 18 सितंबर को जिले के जीरन थाना क्षेत्र के चीताखेड़ा में दो बदमाशो ने पिस्टल के दम पर ग्रामीण बैंक में लूट की वारदात को अंजाम दिया था। इस वारदात को ट्रेस करने के लिए पुलिस कप्तान ने दस टीमो का गठन कर सभी पहलूओ पर जांच शुरु की थी। रविवार को मामले का पर्दाफाश करते हुए दोनो आरोपियो को गिरफ्तार करने का दावा पुलिस ने किया है।

बताया गया है कि पकड़े गए आरोपियों में एक मास्टर माइंड आरोपी रघु उर्फ रघुराज पिता धर्मराज गुर्जर उम्र 22 साल निवासी गुर्जर बडौदा थाना बाटोदा जिला सवाई माधोपुर पर बैंक लूट के पूर्व में 7 प्रकरण दर्ज है। चीताखेडा बैंक की लूट उसका 8 वा अपराध है। बैंक लूट के आरोपियो पर आईजी द्वरा 30 हजार रूपए का इनाम भी घोषित किया था। उक्त संदर्भ में विस्तृत जानकारी देते हुए पुलिस कप्तान श्री अंकित कुमार जायसवाल ने बताया कि 18 सितंबर 2024 को दोपहर 12 से 1 के बीच जीरन थाना क्षेत्र के ग्राम चीता खेडा में स्थित मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक शाखा चीता खेड़ा में अज्ञात आरोपियो द्वारा देशी कट्टा व पिस्टल से फायर कर वहां मौजूद लोगों को जान से मारने की नीयत से फायर किया था। जिसमें दो महिलाएं व एक चौकीदार घायल हुआ था। बदमाश कैश काउंटर से 71 हजार 660 की राशि लूट ले गए थे। जिस पर जीरन थाने में अपराध पंजीबद्ध कर विभिन्न धाराओं में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। आरोपियों को पकडने के लिए 10 टीमों का गठन किया गया व सभी टीमों को अलग-अलग टास्क दिए गए। जिसमे टीमो ने ... शेष पेज 3 पर

खाली पड़े रेन बसेरे, सड़क पर सोने को मजबूर यात्री

मंदसौर, 06 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। नगरपालिका द्वारा दो रेन बसेरे संचालित किए जाते है। दोनो ही रेन बसेरे खाली पड़े है। जबकि, कई लोग सड़क पर सोने को मजबूर है।

बता दे कि दोनो ही रेन बसेरे में महिला व पुरुषो के लिए सोने की अलग-अलग व्यवस्था है। किंतु प्रचार प्रसार के अभाव में वहां तक कोई यात्री पहुंच ही नहीं पता है। बाहर से आने वाले लोगो को यह पता ही नहीं है कि नगर पालिका द्वारा इस तरह की निःशुल्क व्यवस्था का संचालन किया जा रहा है। जिससे लोगो को भटकना नहीं पड़े। इधर बड़े अस्पताल में भी हाल बेहाल है। अस्पताल में मरीज के साथ एक से ज्यादा व्यक्ति के आने पर उन्हें बड़े अस्पताल के अंदर नहीं सोने दिया जाता है। यही कारण है कि मरीज के परीजन अस्पताल भवन के बाहर परिसर में इस तरह सोने को मजबूर है। जबकि, अस्पताल में एक भवन इसीलिए बनाया गया था। यदि मरीजो के परिजनो को भी रेन बसेरे के संबंध में जानकारी दे दी जाए तो सर्दी, गर्मी, बरसात में आमजन को परेशान नहीं होना पड़े।

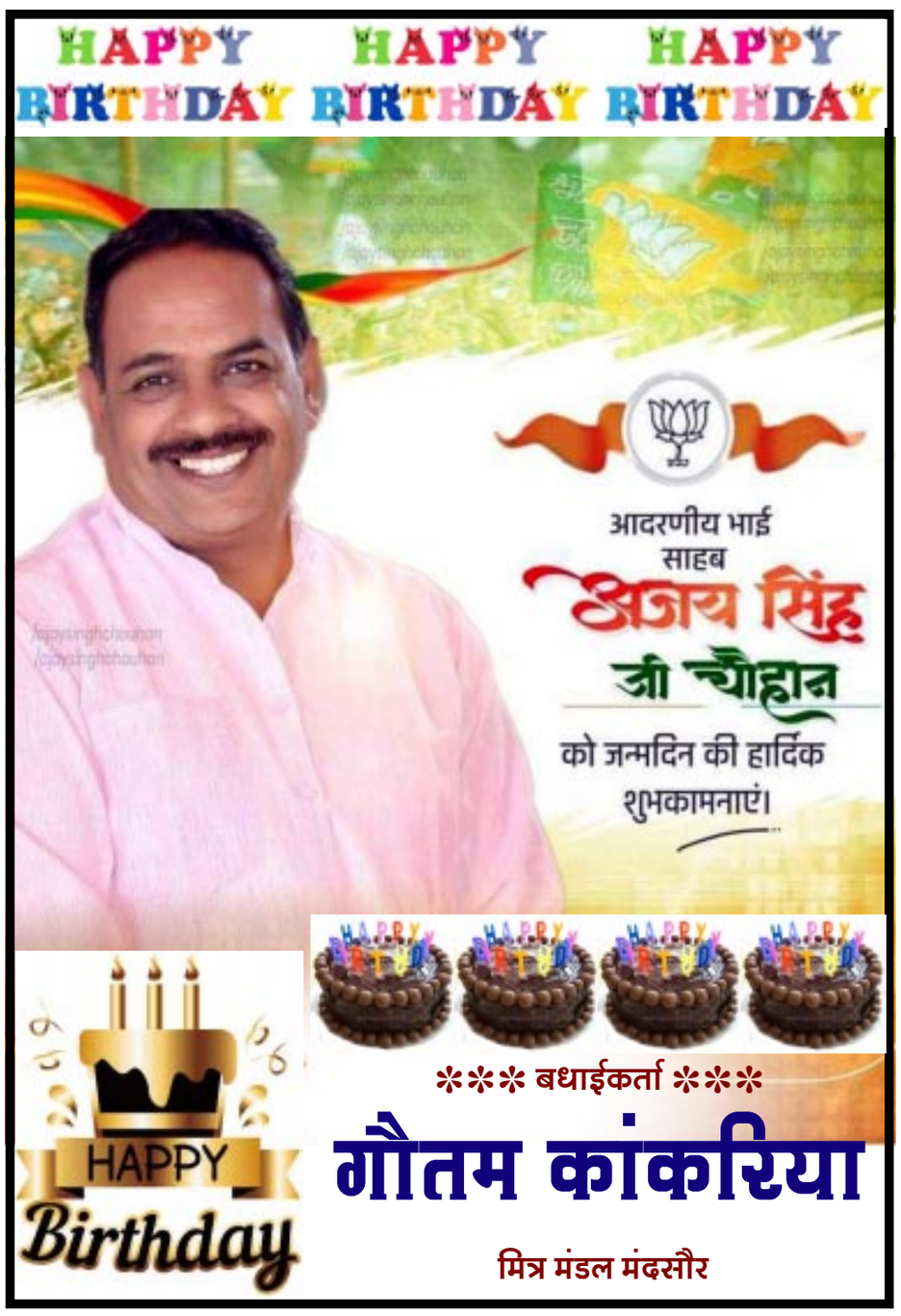

विचार-मंथन

दुनिया में चल रहे युद्ध पर भारत का अपना स्टैंड

पश्चिम एशिया में अब युद्ध का दायरा जिस तरह फैलने की आशंका पैदा हो रही है, उसका सिरा कहां तक जा सकता है और इसके क्या नतीजे हो सकते हैं, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। स्वाभाविक ही भारत ने चिंता जताते हुए युद्ध में शामिल सभी पक्षों से संयम बरतने का आह्वान किया है और यह भी कहा कि अगर टकराव नहीं रुका तो कहीं ऐसा न हो कि युद्ध समूचे क्षेत्र को अपनी चपेट में ले ले। दरअसल, हमास के हमले के बाद इजराइल ने जो आक्रामक रुख अख्तियार किया, वह अब लेबनान और ईरान तक को अपने दायरे में ले रहा है और इसमें शामिल सभी पक्ष केवल खुद को सही और पीड़ित मान रहे हैं। मगर विचित्र है कि युद्ध के बजाय संवाद के जरिए समाधान का रास्ता खोजने के बजाय इजराइल, हमास, हिजबुल्ला या ईरान की ओर से युद्ध की घोषणा, हमला और उसके जवाब में उससे बड़ा हमला करके मसले का हल निकालने का दावा किया जा रहा है। सवाल है कि युद्ध का जो रास्ता खुद ही एक समस्या है, उसके जरिए किसी मसले का हल निकालने की कोशिश कहां लेकर जाएगी? यह जगजाहिर हकीकत है कि मध्य-पूर्व में कई युद्धों ने उस समूचे इलाके में एक बड़ी त्रासदी खड़ी की। उससे उबरने में कई देशों को खासा वक्त लगा और अब वहां जब स्थितियां बेहतरी का रुख पकड़ रही थीं, तो अब फिर हालात चिंताजनक बन रहे हैं। स्वाभाविक ही उन इलाकों में रहने वाली आम आबादी के सामने जीवन तक की चुनौती खड़ी हो रही है। दरअसल, भारत की चिंता इस बात से भी जुड़ी हुई है कि अगर इजराइल और ईरान के बीच जारी टकराव ने बेलगाम युद्ध का रास्ता अख्तियार किया, तो उस समूचे इलाके में रहने वाले भारतीयों के सामने एक बड़ा संकट खड़ा हो जाएगा। इसी से चिंतित भारत ने यह कहा है कि हम इस समूचे क्षेत्र में अपने नागरिकों की रक्षा के लिए तत्पर हैं। मगर सच यह है कि हिजबुल्लाह के प्रमुख नसरल्लाह की हत्या के बाद इजराइल पर जिस तरह भारी संख्या में मिसाइल दागे गए, उसके बाद अगर युद्ध की स्थितियां अनियंत्रित हुईं, तो उसमें चुनौतियां गहराएंगी। इसी के मद्देनजर भारत ने ईरान में अपने नागरिकों को सतर्क रहने और गैर-जरूरी यात्राओं से बचने की सलाह दी है। भारत ने हमेशा युद्ध के बजाय समस्या के हल का रास्ता शांति, संवाद और कूटनीति के जरिए निकालने की वकालत की है। भारत की चिंता इस बात से भी जुड़ी हुई है कि इजराइल और ईरान के बीच टकराव की नई तस्वीर में कहीं दुनिया के और कई देशों के उलझने की स्थिति न बने। दो देशों के बीच जंग से लेकर विश्व युद्धों तक के रूप में दुनिया ने देखा है कि युद्ध का हासिल क्या होता है। इतिहास से लेकर अब तक के तमाम उदाहरण यही साबित करते हैं कि संयम और संवाद के बजाय अगर युद्ध का रास्ता चुना जाता है तो उससे खुद वह मुद्दा भी और ज्यादा जटिल हो जाता है, जिसके हल के लिए ऐसा किया जाता है। अतीत में युद्ध की वजह से मानवता के सामने खड़े हुए त्रासद संकट से सबक लेने के बजाय अगर आधुनिक माने जाने वाले देश भी सैन्य टकराव को प्राथमिक उपाय मानते हैं, तो इसे कैसे देखा जाएगा? विडंबना यह है कि आमतौर पर युद्ध के बाद थक कर सभी पक्षों को संवाद और कूटनीति के मंच पर ही आना पड़ता है, ताकि आगे शांति कायम की जा सके। इसलिए भारत ने अगर संयम बरतने का आह्वान किया है तो इसके मायने समझे जा सकते हैं।

अपनी स्थापना के शताब्दी वर्ष में प्रवेश करता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

प्रहलाद सबनानी

भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में शायद ही कोई ऐसा संगठन रहा होगा जो अपनी स्थापना के समय से ही निर्धारित किए गए अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की ओर लगातार सफलतापूर्वक आगे बढ़ता जा रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना उस समय हुई थी, जब अंग्रेजों की दासता में भारतीय संस्कृति का सर्वनाश हो रहा था। इससे व्यथित होकर डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना विजयादशमी के पावन अवसर पर वर्ष 1925 में की थी। मार्च 2024 में संघ की नागपुर में आयोजित प्रतिनिधि सभा में उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 922 जिलों, 6597 खंडों एवं 27,720 मंडलों में 73,117 दैनिक शाखाएं हैं, प्रत्येक मंडल में 12 से 15 गांव शामिल हैं। समाज के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में संघ की प्रेरणा से 40 से अधिक विभिन्न संगठन अपना कार्य कर रहे हैं जो राष्ट्र निर्माण तथा हिंदू समाज को संगठित करने में अपना योगदान दे रहे हैं। देश में राजनैतिक कारणों के चलते संघ पर तीन बार प्रतिबंध भी लगाया गया है- वर्ष 1948, वर्ष 1975 एवं वर्ष 1992 में - परंतु तीनों ही बार संघ पहिले से भी अधिक सशक्त होकर भारतीय समाज के बीच उभरा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हिंदू शब्द की व्याख्या सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के संदर्भ में करता है जो किसी भी तरह से (पश्चिमी) धार्मिक अवधारणा के समान नहीं है। इसकी विचारधारा और मिशन का जीवंत सम्बंध स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद, बाल गंगाधर तिलक और बी सी पाल जैसे हिंदू विचारकों के दर्शन से है। विवेकानंद ने यह महसूस किया था कि एक सही अर्थों में हिंदू संगठन अत्यंत आवश्यक है जो हिंदुओं को परस्पर सहयोग और सराहना का भाव सिखाए। स्वामी विवेकानंद के इस विचार को डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने व्यवहार में बदल दिया। उनका मानना था कि हिंदुओं को एक ऐसे कार्य दर्शन की आवश्यकता है जो इतिहास और संस्कृति पर आधारित हो, जो उनके अतीत का हिस्सा हो और जिसके बारे में उन्हें कुछ जानकारी हो। संघ की शाखाएं स्व के भाव को परिशुद्ध कर उसे एक बड़े सामाजिक और राष्ट्रीय हित की भावना में मिला देती हैं। वस्तुतः यह कह सकते हैं कि हिंदू राष्ट्र को स्वतंत्र करने व हिंदू समाज, हिंदू धर्म और हिंदू संस्कृति की रक्षा कर राष्ट्र को परम वैभव तक पहुंचाने के उद्देश्य से डॉक्टर साहब ने संघ की स्थापना की। आज संघ का केवल एक ही ध्येय है कि भारत को पुनः विश्व गुरु के रूप में स्थापित करना। संघ के संस्थापक डॉक्टर हेडगेवार जी की दृष्टि हिंदू संस्कृति के बारे में बहुत स्पष्ट थी एवं वे इसे भारत में पुनः प्रतिष्ठित कराना चाहते थे। डॉक्टर साहब के अनुसार, हिंदू संस्कृति हिंदुस्तान का प्राण है। अतएव हिंदुस्तान का संरक्षण करना हो तो हिंदू संस्कृति का संरक्षण करना हमारा पहला कर्त्तव्य हो जाता है। हिंदुस्तान की हिंदू संस्कृति ही नष्ट होने वाली हो तो, हिंदू समाज का नामोनिशान हिंदुस्तान से मिटने वाला हो, तो फिर शेष जमीन के टुकड़े को हिंदुस्तान या हिंदू राष्ट्र कैसे कहा जा सकता है? क्योंकि राष्ट्र जमीन के टुकड़े का नाम तो नहीं हैक्व यह बात एकदम सत्य है। फिर भी हिंदू धर्म तथा हिंदू संस्कृति की सुरक्षा एवं प्रतिदिन विधर्मियों द्वारा हिंदू समाज पर हो रहे विनाशकारी हमलों को कांग्रेस द्वारा दुरलक्षित किया जा रहा है, इसलिए इस अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की आवश्यकता है। जिस खंडकाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई थी वह मुस्लिम तुष्टिकरण का काल था। वर्ष 1920 में देश में खिलाफत आंदोलन शुरू हुआ। मुसलमानों का नेतृत्व मुल्ला-मौलवियों के हाथों में था। इस खंडकाल में मुसलमानों ने देश में अनेक दंगे किए। केरल में मोपला मुसलमानों ने विद्रोह किया। उसमें हजारों हिंदू मारे गए। मुस्लिम आक्रांताओं के आक्रमण के कारण हिंदुओं में अत्यंत असुरक्षिता की भावना फैली थी। हिंदू संगठित हुए बिना मुस्लिम आक्रांताओं के सामने टिक नहीं सकेंगे, यह विचार अनेक लोगों ने प्रस्तुत किया और इस प्रकार हिंदू हितों के रक्षार्थ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई। संघ के प्रयासों से भारत में विस्मृत राष्ट्रभाव का पुनर्जागरण प्रारम्भ हुआ। स्वामी विवेकानंद ने वेदांत के आधार पर सार्वभौम हिंदुत्व का प्रचार किया। आधुनिक भारत के अंतरराष्ट्रीय शंकराचार्य के रूप में उन्हें प्रतिष्ठित किया जा सकता है। उनके प्रयासों से हिंदू धर्म का न केवल उद्धार हुआ, अपती हिंदू समाज को उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रतिष्ठित भी किया। ईश्वरचन्द्र विद्यासागर, राजनारायण बोस, रवीन्द्रनाथ ठाकुर, योगी अरविंद, डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार जैसे हिंदू हितचिंतकों ने विश्व के समक्ष यह संदेश दिया कि हिंदुस्तान में राष्ट्रीय एकता का आधार हिंदू धर्म है और स्वयं हिंदू एक धर्म प्रधान एवं प्रकृति के सार्वभौमिक सिद्धांतों पर आधार जीवन पद्धति है। पश्चिमी देशों में जीवन के लक्ष्य का सदैव अभाव रहा है। भौतिक सुख-समृद्धि ही जीवन का मानक बन गया था। इसलिए पश्चिमी देश असंवेदनशील हो गए थे। साम्राज्यवाद एवं उपनिवेशवाद जैसी वैचारिकी इस भौतिकवादी पृष्ठभूमि की उपज रही है। भौतिकता की अंधी दौड़ ने अंततः नाजीवादी, फासीवाद एवं साम्यवाद जैसे विचारों को जन्म देकर पश्चिमी देशों को महायुद्धों की विनाशलीला में झोंक दिया था। स्वामी विवेकानंद जैसे हिंदू चिंतकों द्वारा पश्चिमी देशों में हिंदुत्व के आदर्शों को प्रस्थापित कर उन्हें अंधकार से अलग करने का प्रयास किया गया था। हिंदू आदर्शों का यदि अनुपालन किया जाता तो सम्भवतः मानवीय विनाश के उन दृश्यों को रोका जा सकता था जो विश्व मानव की छाती पर एक भीषण घटित दुर्घटना के चोट के चिन्ह रूप में विद्यमान है। स्वामी विवेकानंद ने जीवन जीने के लक्ष्य एवं मानव संस्कृति के मूल रहस्यों को पश्चिमी समाज के समक्ष उद्घाटित किया था। स्वामी विवेकानंद के प्रयासों से पश्चिमी समाज में हिंदुत्व के प्रति एक नया दृष्टिकोण विकसित हुआ था और लोग हिंदू संस्कृति के मूल रहस्यों को जानने के लिए आकर्षित हुए। स्वामी विवेकानंद को हिंदू राष्ट्रीयता का विश्व में प्रथम उद्घोषक कहा जा सकता है। उन्होंने विश्व के समक्ष भारत की मूल्यवान आध्यात्मिक धरोहर को प्रतिष्ठित किया तथा हिंदू धर्म के मूल रहस्यों से विश्व को अवगत कराया।

जीवन का आनंद लेने के लिए परिस्थितियों के साथ समायोजन की कला

मनीष कुमार चौधरी

चार्ल्स डार्विन ने 1858 में विकासवाद के सिद्धांत की खोज की थी। इस सिद्धांत ने उन मान्यताओं को खारिज किया था, जिसमें कहा गया था कि इंसान, जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों का निर्माण एक अलौकिक घटना है। डार्विन ने कहा कि धरती पर जीवन की शुरुआत से ही जीवों का आपसी और प्रकृति के प्रति संघर्ष चला आ रहा है। जो इस संघर्ष में अनुकूल रहे, वे जीवित रहे। जो प्रतिकूल रहे, वे नष्ट हो गए। एक बुद्धिमान व्यक्ति प्रकृति के साथ समायोजन करता है और जीवन का आनंद लेता है। आकाश में उड़ने वाला एक सफेद पक्षी बगुला पानी में मछली की चाल की दिशा के साथ समायोजित हो जाता है, पानी में गिरने वाले शिकार को सही ढंग से पकड़ने में सफलता प्राप्त करेगा। अगर मछली के साथ उसकी दिशा का समायोजन गलत है, तो वह पानी की मछली का आनंद लेने में विफल रहेगा। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को जीवन का आनंद लेने के लिए परिस्थितियों के साथ स्वयं को समायोजित करना चाहिए। बच्चों, माता-पिता और रिश्तेदारों के साथ जीवन का आनंद लेने के लिए हमें व्यक्तियों और परिवार के साथ समायोजन करना चाहिए। अगर नहीं, तो शांतिपूर्ण जीवन नहीं होगा। प्रकृति में सूर्य और चंद्रमा, नदी और समुद्र, सर्दी और गर्मी आदि एक दूसरे के साथ समायोजन कर रहे हैं। हमें शांति से अपने जीवन का आनंद लेने के लिए प्राकृतिक तत्वों द्वारा समायोजन के पाठ का पालन करना चाहिए। प्रकृति के नियमों को भले ही नहीं बदला जा सकता, लेकिन खुद अपने नियमों को तो बदला ही जा सकता है। समाज के साथ मनुष्य के रिश्ते के बारे में भी यही सच है। कहा जाता है कि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। केवल इस अर्थ में नहीं कि मनुष्य समाज में रहता है, बल्कि इस अर्थ में कि मनुष्य पूरी तरह से समाज पर निर्भर है। व्यक्तित्व विकास से लेकर सभ्यतागत प्रगति तक, सब कुछ समाज पर निर्भर करता है। व्यक्तिवाद एक अच्छा विचार प्रतीत हो सकता है, लेकिन व्यावहारिक अर्थों में यह लाभदायक नहीं है। कोई भी व्यक्ति खुद को समाज से अलग नहीं कर सकता। समाज का काम किसी व्यक्ति के हिसाब से खुद को बदलना नहीं है। हर व्यक्ति को समाज के मानदंडों के हिसाब से खुद को ढालना चाहिए। कोई भी व्यक्तिवाद में लिप्त नहीं हो सकता। जब लोग समाज में एक साथ रहने की कोशिश करते हैं, तो उन्हें बार-बार लगता है कि वे मतभेदों की दुनिया में रह रहे हैं। हर अंतर एक चुनौती की तरह है। इसलिए समाज में रहने का मतलब है लगातार चुनौतियों के साथ जीना। एक प्रसिद्ध कहावत है कि जब सभी एक जैसा सोचते हैं, तो कोई भी बहुत ज्यादा नहीं सोचता। इसका मतलब है कि मनुष्य इस दुनिया में एक पेड़ की तरह नहीं है। वह एक बड़े बगीचे का हिस्सा है। व्यक्तिगत जीवन का मतलब है एक सीमित क्षेत्र में रहना। इस तरह यह भविष्य के विकास में एक निरंतर बाधा है। यह कोकून में रहने जैसा है। समाज एक जीवित विश्वविद्यालय की तरह है। जो समाज के खिलाफ जाने की कोशिश करता है, वह सामाजिक विनाश करता है। इसलिए शिकायत एक व्यर्थ अभ्यास है, चाहे वह प्रकृति के खिलाफ हो या समाज के खिलाफ। हमें प्रकृति और समाज दोनों के साथ तालमेल बिठाना होगा। समायोजन का मतलब है शिकायत न करना, दूसरों को बदलने की कोशिश न करना, नकारात्मक न बनना, परिस्थिति को बाधा न मानना, बल्कि उसे सहजता से संभालना। गलती करना मानवीय है और चूंकि हम हमेशा सही नहीं हो सकते, इसलिए कभी-कभी अपनी सीमाओं को स्वीकार करना और अपने आसपास के लोगों के विचारों के साथ तालमेल बेहतर होता है। जो व्यक्ति किसी के साथ उसके बुरे स्वभाव, व्यवहार, असामान्यता के बावजूद समायोजित हो सकते हैं, वे जादूगर नहीं हैं। वे आप, मैं या हमारे आसपास के किसी भी अन्य व्यक्ति की तरह ही हैं। जो बात उन्हें अलग बनाती है, वह है उन लोगों के साथ अच्छे से पेश आना, जिनके साथ वे अपने दैनिक जीवन में पेश आते हैं। आज की दुनिया में हम खुद को समाज से अलग नहीं कर सकते और दुनिया की परवाह किए बिना अहंकारी तरीके से नहीं जी सकते। समायोजन एक सतत प्रक्रिया है, क्योंकि परिस्थितियां बदलती रहती हैं। जैसे-जैसे परिस्थितियां बदलती हैं, हमारे व्यवहार में भी परिवर्तन होता है।

अस्तित्व के बोध में अप्रतिम मिठास भर देगा यह प्रेम

क्या आप उन लोगों में से एक हैं जो हमेशा सोचते रहते हैं कि आपसे प्रेम करने वाला कोई नहीं या कहें कि जो दूसरों से अपने लिए मन में प्रेम की आकांक्षा लिए जीते हैं। सोचिए कि अगर पूरी दुनिया इसी तरह दूसरों से प्रेम की अपेक्षा करने लगे, तो क्या होगा? प्रेम ही नहीं बचेगा क्योंकि सब दूसरों से उम्मीद करेंगे कि वे उन्हें प्रेम करें और खुद चुप बैठे रहेंगे। लेकिन हकीकत में ऐसा नहीं है। दुनिया में अपने लिए कुछ भी अपेक्षा किए बिना आपसे प्रेम करने वाले बहुत लोग हैं। आप अपने चारों ओर नजर घुमाइए जरा। अपने ही घर में देखेंगे, तो माता-पिता दिख जाएंगे। उन्होंने आपसे कभी कुछ चाहा थोड़े। पिता अगर अनुशासन प्रिय रहे हों, तो वे भले ही थोड़े सख्त रहे होंगे, लेकिन माताओं ने तो अपने आंचल की गांठ खोलकर जीवन का सत्व तुम्हें हमेशा दिया ही। मां के प्यार में कभी कोई शर्त थोड़े रही है। वह बिना किसी शर्त के, बिना किसी मांग के दिया गया प्रेम होता है जिसके केंद्र में आपकी खुशी, आपकी हेल्थ और आपके खुशहाल जीवन की कामना रहती है। परिवार से बाहर भी अगर नजर दौड़ाएंगे, अपने अनुभवों को खंगालेंगे, तो ऐसे बहुत से लोग मिल जाएंगे, जिन्होंने आपको बिना शर्त प्रेम दिया होगा। प्राणियों के लिए प्रेम ही सबसे बड़ी शक्ति है। कोई प्राणी ऐसा नहीं जिसे प्रेम नहीं चाहिए। यह जरूरत सब अपने जीस में लेकर आते हैं। यह सबके स्वभाव का हिस्सा है। सृष्टि ने ऐसा जानबूझकर किया है क्योंकि सृष्टि को चलते रहना है। प्रेम की जरूरत इतनी शक्तिशाली है कि अगर आपके जीवन में सबकुछ है- पैसा है, सुविधाएं हैं, नाम है, शोहरत है, हेल्थ है, लेकिन अगर प्रेम नहीं है, तो आपके मन में एक अपूर्णता का भाव बना ही रहेगा और आप हर लम्हा प्रेम की तलाश में बने ही रहोगे। प्रेम आपके अस्तित्व की जरूरत है। प्रेम अगर है तो अस्तित्व के बोध में मिठास घुल जाती है। लेकिन इस प्रेम में और संसार में प्रचलित प्रेम में बहुत बड़ा अंतर है। यह प्रेम दूसरों को देने पर भरोसा करता है, दूसरों से मांगने पर नहीं। यह प्रेम आत्मा की रोशनी को पहचानता है और उसी की ओर खिंचता है। यह प्रेम आपसे बड़े-बड़े बलिदान करवाता है। आपके भीतर मानवीयता की ज्योति जगाता है। यह प्रेम अस्तित्व का मीठा बोध करवाता है, पर मजे की बात यह है कि यह अस्तित्व के उसी मीठे बोध से ही जन्म भी लेता है। इस प्रेम के केंद्र में आपकी खुशी नहीं होती बल्कि दूसरों के चेहरों की हंसी होती है। यह वैसा ही प्रेम है जैसा मीरा ने कृष्ण से किया, जैसा राधा ने कृष्ण से किया। इसमें कभी ऊब पैदा नहीं होती। यह आपकी चेतना से सतत लिपटा रहता है। इसमें आपको सुध-बुध नहीं रहती। आप हिसाब-किताब करना भूल जाते हैं। कल मैंने पहले बात की थी, तो आज उसे पहले बात करनी चाहिए, पिछली बार मैं झुका था, तो इस बार उसे झुकना चाहिए- आप इस भाषा में नहीं सोचते। इस प्रेम में आपके ईगो के लिए कोई जगह नहीं है। ईगो नमूदार हुआ नहीं कि प्रेम भाग जाता है। फिर आप ईगो के साथ ही बने रहते हो। ईगो और प्रेम में अंधेरे और रोशनी का रिश्ता है- एक समय में एक ही बना रह सकता है। दोनों साथ नहीं रह सकते। ऐसा प्रेम पाने के भाव से कभी पैदा हो ही नहीं सकता। मन में देने का भाव लाएं। देने का भाव ही आपको मन से शहंशाह बना देता है और अस्तित्व के बोध में अप्रतिम मिठास भर देता है। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

विपक्ष युवाओं को ड्रग्स की अंधेरी दुनिया में धकेलना चाहती है: अमित शाह

आज का राशिफल

मेष [illegible]

वृषभ [illegible]

मिथुन [illegible]

कर्क [illegible]

सिंह [illegible]

कन्या [illegible]

तुला [illegible]

वृश्चिक [illegible]

धनु [illegible]

मकर [illegible]

कुंभ [illegible]

मीन [illegible]

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5379

		7				8		6
		3	8		2			
6					4	9	5	
3	6			1				
4			3		5			7
				2			3	9
	9	1	5					4
			2		1	7		
8		4				2		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5378

4	7	8	6	3	9	5	1	2
1	3	9	5	8	2	7	6	4
6	2	5	4	1	7	3	8	9
7	9	2	8	6	3	4	5	1
5	6	1	9	7	4	8	2	3
8	4	3	2	5	1	9	7	6
9	8	7	3	2	6	1	4	5
3	5	6	1	4	8	2	9	7
2	1	4	7	9	5	6	3	8

वर्ग पहेली 5379

संकेत: बाएं से दाएं

1. 2 जुलाई 2012 को इस देश ने इटली को 4-0 से हराकर यूरो कप फुटबाल 2012 जीत लिया और लगातार तीन बड़े खिताब जीतने वाला पहला देश बना (3)
3. एक सूर्यवंशी राजा का नाम जो दशरथ के पिता थे (2)
5. शासन करने वाला (3)
7. [illegible] (4)
11. ऐसा रोग जिसमें शरीर का कोई अंग सूख या बेकाम हो जाता है (3)
12. फौजी भाइयों के लिए विविध भारती से प्रसारित एक दैनिक कार्यक्रम (4)
13. अवकाश, गुंजाइश (4)
14. लोहा, इस्पात (3)
15. मामला, कोई गूढ़ बात (3)
17. पंच तत्वों में से एक, जल, नीर (2)
18. मूक, मौन, अवाक, शांति (3)
19. [illegible] (2)
20. [illegible] (2)
22. संतान उत्पन्न करना, जन्म देने का भाव (4)
23. सुख की जगह, रहने की जगह, वास स्थान (3)

ऊपर से नीचे (2)

1. विशेष व्यक्ति अथवा अवसर के लिए निश्चित, खास (3)
2. उपकार मानने वाला, कृतज्ञ (4)
4. भूकंप, भूडोल, पृथ्वी का कम्पन (4)
6. परेड, ड्रिल, नियमावली, कार्य विधि (4)
8. घोड़ा, अश्व (2)
9. [illegible] (4)
10. गंदे पानी बहाने के लिए बनाया गया कृत्रिम जल मार्ग (2)
14. सेना को यह भी कहा जाता है (2)
15. [illegible] (4)
16. संख्या, समूह, पुंज (2)
18. [illegible] (3)
19. [illegible] (3)
21. [illegible] (2)

वर्ग पहेली 5378 का हल

धा	मी	■	अ	म	र	ना	थ
म	स	■	मा	ल	धा	■	प
ता	■	भा	व	ना	■	द	क
क	ला	■	स्या	■	सा	र	ना
ना	य	क	■	र	म	क	■
■	त	ह	ल	का	■	न्या	य
आ	■	र	■	षी	ना	■	हू
प	र	ख	र	■	का	लि	दी

स्व. प्रहलाद बंधवार की प्रतिमा जहां हत्या हुई वहीं स्थापित की जाए

हत्या के साजिशकर्ताओं के खिलाफ सीबीआई जांच हो, पार्षद और समाजसेवी बंसल ने उठाई आवाज

मंदसौर, 06 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जननेता स्व. प्रहलाद बंधवार की प्रतिमा वहीं पर लगाई जाए जहां उनकी हत्या की घटना हुई थी। यह मांग पार्षद और सामाजिक कार्यकर्ता सुनील बंसल ने की। उन्होंने उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवडा, सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद बंसीलाल गुर्जर नपा अध्यक्ष रमादेवी गुर्जर, विधायक विपिन जैन एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठनेताओं से मांग की है कि स्व. बन्धवार तत्कालीन नगर पालिका अध्यक्ष की हत्या जिस चोराहे पर हुई थी श्री लोकेंद्र कुमावत की दुकान के वहां जिला सहकारी बैंक के सामने उनकी प्रतिमा वही लगाई जाए ताकि आमजनों को उनके प्रति श्रद्धा भाव व्यक्त हो सके। प्रहलाद बन्धवार जनता के बीच सडक के कार्यकर्ता थे उनकी मूर्ति अन्यत्र जगह लगाने की जगह शहर के व्यस्ततम मार्ग और जहां उनकी हत्या हुई जहां उनकी शहादत हुई वहीं पर उनकी प्रतिमा को नगर पालिका परिषद मंदसौर को लगाना चाहिए। अगर किसी कारणवश से नगर पालिका परिषद उनकी मूर्ति नहीं लगा सकती है तो वह स्थान चयनित कर दे। स्व.बंधवार के मित्रगण अपने प्रयासों से आदमकद मूर्ति को वहां पर अतिशीघ्र लगाकर लोकापर्ण करेंगे। हमें बडा ही दुख है कि प्रहलाद बंधवार की हत्या हुई एक हत्यारे को पडकर बंद कर दिया किंतु हत्या के पीछे की जो साजिश है जिसकी सीबीआई से जांच की मांग पूरे शहर व जिले भर ने की। श्री बंसल ने कहा कि उन्हीं की पार्टी के नेता की हत्या हुई और सरकार आज फर्श से लेकर अर्श तक उनकी है पर सीबीआई की जांच सरकार आज तक नहीं कर पाई यह एक सोचनीय विषय है। हम सब मिलकर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि देते हैं और शासन प्रशासन से पुन: मांग करते हैं उनकी मूर्ति उसी स्थान पर लगाई जाए जहां पर उनकी हत्या हुई थी।

तपती धूप में अलावदाखेड़ी से पैदल चल नालछा माता को भक्तों ने चूनर चढ़ाई

बालाजी ग्रुप ने निकाली 251 फीट चूनर यात्रा, बड़ी संख्या में भक्तों ने लिया भाग

मंदसौर, 06 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। शारदीय नवरात्र पर्व पर 6 अक्टूबर को महावीर फतेह करे सेवा संस्था (बालाजी ग्रुप) मंदसौर द्वारा ग्राम अलावदाखेडी से नालछामाता मंदिर तक चूनर यात्रा निकाली। सैकडों भक्त ने 251 फीट चूनर को हाथों में थामे मॉ नालछा के दरबार पहुंच जहां माताजी को चूनर चढाई। तपती धूप में सम्पूर्ण यात्रा में चूनर को थामे मातृशक्ति जिसमें नन्हीं बालिकाओं से लेकर सैंकडों की संख्या में युवा, बहने, वृद्ध माताएं चल रही थी।

अलावदाखेडी स्थित बालाजी मंदिर परिसर में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसौदिया, सीएसपी सतनामसिंह, महिला डेस्क उपनिरीक्षक उषा भारिया, ग्राम सरपंच दादु खोखर, बालाजी ग्रुप जिलाध्यक्ष लोकेन्द्र मंगल बैरागी, समाजसेवी प्रवीण शर्मा, विजय कोठारी, ग्राम प्रमुख मंगल फतरोड ने चुनर की पूजन आरती कर चुनरी यात्रा प्रारंभ की। पूरी यात्रा में बैण्ड पर माता रानी के भजनों-धुनों पर युवा भाई-बहन थिरकते-भक्ति नृत्य करते हुए माता रानी की भक्ति में सराबोर नजर आये। चूनर यात्रा अलावदाखेडी से प्रारंभ होकर नालछा माता पहुंची। बीच में जगह-जगह आरती फूल व गुलाल वर्षा से चुनरी यात्रा का स्वागत हुआ। नालछामाता मंदिर पर चुनर की पूजा कर तीन छत्री बालाजी के महंत श्री रामकिशोरदासजी महाराज, पं. शिवनारायण शर्मा, सिटी कोतवाली प्रभारी पुष्पेन्द्रसिंह राठौर, समाजसेवी विजय सुराणा, नागेश सोनी, उत्कृष्टसिंह ठाकुर, रूपनारायण मोदी सहित सैकडों भक्तों ने कर माता को अर्पित की। इस अवसर पर पंडित अर्जुन नागर, पं. दिलीप दुबे, लोकेश ठाकुर, लाला सुनार्थी, राज सुनार्थी, सुनील देवडा, नन्दकिशोर, मोनू पाटीदार, राहुल दाडना, संजू शर्मा, गोविन्द दाडना, गुड्डू खोखर, जीतू डिंडोर, अशोक, मनीश डिंडोर, काला चौहान, तेजा, कैलाश गोदी, भेरूलाल चौहान, अभिषेक चौहान, रघुनाथ, मुकेश राठौर, विनोद चौहान, अर्जुन कहार, रामू कहार, धर्मपाल कहार, लखन कहार, गोविन्द कहार, तरूण कहार, दीपकराव मराठा, गोविंद कहार, चीकू शर्मा, बाबू सूर्यवंशी, सुनील कुमावत सहित बडी संख्या में मातृशक्ति एवं श्रद्धालुजन उपस्थित थे। अंत में आभार ग्राम प्रमुख मंगल फतरोड ने माना। आज चढाई जाएगी दूधाखेडी माताजी को 1100 फीट चूनर- बालाजी ग्रुप के जिलाध्यक्ष लोकेन्द्र मंगल बैरागी ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी दुधाखेडी माताजी को आज 7 अक्टूबर को 1100 फीट की चूनर चढाई जाएगी। बर्डिया इस्तमुरार से बडी संख्या में भक्त चुनर यात्रा के रूप में दुधाखेडी माताजी पहुंचेंगे। जहां संतों के सानिध्य में माताजी को चुनर चढाई जाएगी। बालाजी ग्रुप द्वारा बर्डिया इस्तमुरार से लगातार 9वें वर्ष चुनर यात्रा निकालकर दूधाखेडी माताजी को चुनर यात्रा चढाई जा रही है।

करियर काउंसलिंग में छात्राओं को दिया मार्गदर्शन

पिपलियामंडी, 06 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। लायंस क्लब पिपलिया के तत्वावधान में शासकीय कन्या उमा विद्यालय में छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य व मार्गदर्शन के लिए कैरियर गाइडेंस व काउंसलिंग कार्यक्रम हुआ। काउंसलर डॉ आरती जैन व प्राचार्य उमाशंकर पांडे, क्लब अध्यक्ष नीलिमा अग्रवाल ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। डॉक्टर आरती जैन ने छात्राओं को बताया कि सपने एक दिन में पूरे नहीं होते हैं, उनके लिए निरंतर प्रयास करने पडते हैं, हमें यह तो पता है कि हमें क्या बनना है, लेकिन कैसे बनना है, यह मालूम नहीं। उन्होंने छात्राओं को बताया कि आपकी लाइफ में महत्वपूर्ण क्या है ? यह बताते हुए छात्राओं को कैरियर विषय की जानकारी दी। प्राचार्य पांडे ने छात्राओं को काउंसलिंग में बताए गए बिंदुओं को अपनाकर जीवन सफल बनाने के लिए प्रयासरत रहने के लिए प्रेरित किया। सचिन दीपिका पटवा ने बताया कि करियर काउंसलिंग के जरिए छात्राओं को करियर के लिए सही दिशा व उद्देश्य तय करने में मदद मिलती है। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष मोना सेठिया, विद्या चौधरी आदि सदस्य उपस्थित रहे।

पुलिस पेंशनर संघ मप्र का द्वितीय स्थापना दिवस मनाया

मंदसौर, 06 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश पुलिस पेंशनर संघ का द्वितीय स्थापना दिवस 4 अक्टूबर 2024 को रतलाम में सिंधु मैरिज गार्डन में बडे ही धूमधाम व हर्षोल्लासके साथ मनाया गया। पुलिस पेंशनर संघ मध्य प्रदेश के संस्थापक एवं प्रांतीय अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह परिहार ने बताया कि पुलिस पेंशनर संघ मध्य प्रदेश की स्थापना दिवस में श्री प्रदीप उपाध्याय जिला अध्यक्ष भाजपा रतलाम, श्री आर पी सिंह वरिष्ठ आईपीएस सेवानिवृत्ति, श्री मनोज कुमार सिंह डीआईजी , श्री अमित कुमार आईपीएस पुलिस अधीक्षक रतलाम, राजेश काका साहब एडिशनल एसपी रतलाम और 20 उप पुलिस अधीक्षक सेवानिवृत्ति 50 सेवानिवृत्ति टी आई निरीक्षक सहायक उप निरीक्षक और संपूर्ण मध्य प्रदेश के नीमच मंदसौर रतलाम झाबुआ धार बड़वानी खरगोन इंदौर बालाघाट सिवनी शहडोल डिंडोरी भोपाल दमोह निवाडी छतरपुर टीकमगढ गुना शिवपुरी देवास शाजापुर मुरैना दतिया भिंड ग्वालियर आदि जिलों से करीब 500पुलिस पेंशनर्स अधिकारी कर्मचारी सम्मिलित हुए रतलाम के सिंधु मैरिज गार्डन में कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

भाजपा जिला अध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय द्वारा पेंशनर्स की लंबित मांगों को शासन के समक्ष उठाने का आश्वासन दिया गया संस्थापक एवं प्रांतीय अध्यक्ष एमपी सिंह परिहार ने स्वागत भाषण देते हुए संगठन की गतिविधियों पर प्रकाश डाला और पिछले 1 साल में पेंशनर्स की समस्याओं का निराकरण के संबंध में अवगत कराया कार्यक्रम में पुलिस पेंशनर संघ जिला रतलाम के अध्यक्ष श्री एलके द्विवेदी जी मंदसौर अध्यक्ष आर पी मिश्रा संस्थापक प्रांतीय उपाध्यक्ष योगेंद्र सिंह सेंगर प्रांतीय सचिव राम रतन दुबे और सभी जिलों के जिलाध्यक्ष गण प्रांतीय उपाध्यक्ष गणजिलों की कार्यकारिणी के पदाधिकारी गण सदस्य गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पेंशनर्स की लंबित मांगे जिनमे चार प्रतिशत महंगाई राहत देने के संबंध में पेंशनर्स को आयुष्मान कार्ड योजना में लाने हेतु और अन्य लंबित मांगों के संबंध में चर्चा की गई एवं शासन का ध्यान आकर्षित करने के लिए आगे ज्ञापन व आंदोलन करने की रणनीति बनाई गई संगठन के आगामी कार्य योजना के संबंध में विचार विमर्श किया गया 75 वर्ष से ऊपर वाले पेंशनर्स का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया तथा संगठन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पदाधिकारी व सदस्यों का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया अंत में विगत 1 साल में पुलिस पेंशनर्स जो दिवंगत हुए उनको 2 मिनट का मौन रखकर सभी के द्वारा विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सफल कार्यक्रम के लिए सभी ने प्रांतीय कार्यकारिणी द्वारा रतलाम की टीम की भूरी भूरी प्रशंसा की गई 2 साल पहले पुलिस पेंशनर संघ मध्य प्रदेश के रूप में जी पौधे को लगाया गया था वह आज बट वृक्ष के रूप में फैलता हुआ संपूर्ण मध्य प्रदेश में अपना विस्तार करता जा रहा है।

अंचल में कुएं तालाब लबालब, तैराकी का आनंद ले रहे युवा

मेनपुरिया, 06 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जिले में हुई अच्छी बारिश के चलते क्षेत्र में कुएं तालाब लबालब भर गए हैं। जलस्तर बढने के बाद इन तालाब में युवा तैराकी का आनंद ले रहे हैं। रविवार को अवकाश भी था। इसके चलते बडी संख्या में लोग नहाने व तैराकी का आनंद लेने पहुंचे। सुबह से शाम तक तैराकी यो ने आनंद लिया ग्रामीणों ने बताया कि दिन में उमस भरी गर्मी का भी अहसास बना हुआ है। तैराकी से लोगों को राहत मिली।

चीताखेड़ा बैंक लूट का पर्दाफाश... पेज 1 से जारी

काफी मेहनत से काम किया। इस दौरान करीब 500 से अधिक सीसीटीवी फुटेज कैमरे जांचे गए और लगभग 400 किलोमीटर तक टोल नाके भी चेक किए गए। बैंक लूट की घटना को लेकर पुलिस टीमों द्वारा आसपास के जिले में हुई वारदातों को अंजाम देने वाले अपराधियों की धड पकड के साथ-साथ उक्त स्थान में जैल में बंद पूर्व कैदियों और अपराधियों से भी जैल में जाकर जानकारी जुटाई गई। घटना को लेकर अपराधियों के ठिकानों पर दी गई। कई इनामी आरोपियों एवं वारंटी को भी पकड कर जैल भेजा गया। सीसीटीवी कैमरा तथा अन्य उन्नत तकनीकी संसाधनों और मुखबीर तंत्र से प्राप्त इनपुट के सूक्ष्म विश्लेषण के बाद जिले के पुलिस थाना जीरन अंतर्गत ग्राम चीता खेडा के बैंक में हुई लूट की वारदात को राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले के ग्राम गुर्जर बडौदा के रघु उर्फ रघुराज गुर्जर द्वारा अपने साथी के साथ उक्त घटना को अंजाम दिए जाने के संदर्भ में तथ्य प्राप्त हुए। सूचना प्राप्त हुई की बैंक लूट वारदात को अंजाम देने वाला आरोपी रघु उर्फ रघुराज हीरो होंडा मोटरसाइकिल से राजस्थान तरफ जा रहा है। उक्त सूचना पर पुलिस टीमों द्वारा तत्काल राजस्थान की तरफ हिंडौन सिटी सराफा बाजार से रघु उर्फ रघुराज को पडकर ग्राम चीता खेडा बैंक लूट वारदात में शामिल अन्य सदस्य के बारे में पूछताछ की गई। जिस पर उसने अपने साथी का नाम रूपेंद्र सिंह गुर्जर निवासी गंगापुर सिटी का होना बताया। आरोपी के बताएं अनुसार पुलिस मौके पर पहुंच रूपेंद्र सिंह गुर्जर को भी पकडा गया। पकडे गए आरोपियों से पूछताछ में दोनों आरोपियों ने चीता खेडा बैंक की लूट को अंजाम देना स्वीकार किया और घटना में प्रयुक्त देसी कट्टे एवं पिस्टल को रास्ते में छुपाने संबंधी जानकारी प्राप्त हुई। जिसे भी आरोपियों की निशान देही पर बरामद किया गया।

गूगल मैप का उपयोग करते थे आरोपी...

पुलिस कप्तान श्री जायसवाल ने बताया कि आरोपी बैंक लूट से पहले गूगल सर्च इंजन के माध्यम से मध्य प्रदेश- राजस्थान के बॉर्डर एरिया के ऐसे स्थान को सर्च करते थे, जहां बैंक स्थित है तथा संबंधित कस्बे से थाने की दूरी अधिक होती थी, ताकि पुलिस तत्काल मौके पर ना पहुंच सके। चीता खेडा बैंक लूट में भी आरोपियों द्वारा गूगल मैप सर्च किया गया था, जिसमें ग्राम चीता खेडा से थाना जीरन की दूरी लगभग 11 किलोमीटर होने से चीता खेडा बैंक चिन्हित किया गया। रूट हेतु भी आरोपियों द्वारा गूगल मैप का सहारा लिया गया, घटना को अंजाम देने से पूर्व दो दिन तक बैंक की रेकी की गई। इस दौरान दोनों आरोपी निंबाहेड़ा के होटल में रुके थे और किसी भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का उपयोग नहीं किया गया। लूट के दौरान मोटरसाइकिल पर भी नकली नंबर प्लेट लगाई गई थी और मोटर साइकिल दोस्त से मांग कर लाई गई थी। घटना को अंजाम देने के बाद भागने के दौरान ही आरोपियों ने रास्ते में ही कपडे चेंज किए थे और करीब 180 किलोमीटर दूर जाकर मुंह का मास्क भी हटाया था।

श्री जगदीश मंदिर में महासभा के पदाधिकारियों का स्वागत किया

मंदसौर, 06 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। श्री गुर्जर गौड ब्राह्मण समाज महासभा के राष्ट्रीय संरक्षक ओमप्रकाश जोशी जोधपुर का मंदसौर आगमन हुआ। श्री जगदीश विलास जीवागंज में समाज जनों ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने महासभा द्वारा सामाजिक विकास रचनात्मक और सेवा गतिविधियों की जानकारी दी। श्री जोशी का स्वागत श्री जगदीश मन्दिर ट्रस्ट के अध्यक्ष पं.कुबेरकांत त्रिपाठी, सचिव गोपाल भट्ट,पंचायत सचिव सुरेन्द्र त्रिवेदी, तथा समाजजन सर्व श्री अनिल द्विवेदी, सांसद प्रतिनिधि हेमंत शर्मा, भेरूलाल शर्मा,रमेश चंद्र उपाध्याय,कृष्ण चंद्र शर्मा,ब्रजेश जोशी,महेश शर्मा पप्पू,जगदीश शर्मा, डॉ दिनेश तिवारी, संजय द्विवेदी, राजेन्द्र चाष्ट,रमेश चंद्र शर्मा, गोपाल कृष्ण व्यास ,सुभाष शर्मा,हेमंत तिवारी यशोधर्मन शर्मा आदि ने उनका स्वागत किया

नि:शुल्क चिकित्सा एवं जांच शिविर का आयोजन कल

मंदसौर, 06 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। नंदसेवा संकल्प समिति व प्रहलाद गर्ग फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में विशाल निशुल्क चिकित्सा एवं जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। 8 अक्टूबर 2024 मंगलवार को आयोजित शिविर में अहमदाबाद के जीसीएस हॉस्पिटल के अनुभवी चिकित्सक अपनी सेवाएं देंगे। शिविर में विभिन्न विभाग से संबंधित अनुभवी चिकित्सक जांच उपरांत मरीजों को नि:शुल्क दवाई भी वितरित करेंगे।

कुंदनलाल पुत्र दलीचंद गर्ग एवं सत्यनारायण पुत्र शालिग्राम की स्मृति में उक्त चिकित्सा एवं जांच शिविर का आयोजन 8 अक्टूबर 2024 मंगलवार को प्रात: 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक होगा। शिविर पीयूष ट्रेडर्स, नई आबादी,पुलिस कंट्रोल रूम के सामने ,रोम टावर वाली गली में आयोजित होगा। इस शिविर में जीसीएस हॉस्पिटल अहमदाबाद के कैंसर ,ऑर्थोपेडिक, जनरल सर्जन, किडनी व मूत्र मार्ग रोग, हृदय रोग से संबंधित स्पेशलिस्ट चिकित्सक मरीजों की जांच कर उपचार करेंगे। सर्जरी के परामर्श के बाद जीसीएस हॉस्पिटल में रोगियों का मुफ्त किडनी ट्रांसप्लांट ,आयुष्मान भारत योजना के कार्ड धारकों का मुफ्त इलाज की सुविधा उपलब्ध होगी। शिविर में मुंह ,गले का कैंसर, स्तन कैंसर, मूत्राशय कैंसर व अन्य प्रकार के सभी कैंसर से पीडित व्यक्ति, किडनी समस्या, मूत्र रोग, पेट के सभी रोग, पथरी, फिस्टुला, हड्डी, जोडो तथा मांसपेशियों के दर्द से पीडित व्यक्ति, हृदय रोग के मरीज परामर्श व उपचार हेतु अपना पंजीयन करवा कर परामर्श प्राप्त कर सकते हैं। पूर्व में जीसीएस हॉस्पिटल में उपचार ले रहे हैं मरीज भी शिविर में अपना चेकअप करवा सकते हैं। शिविर में परामर्श के पश्चात अहमदाबाद में इन रोगियों का न्यूनतम शुल्क या योजना के पात्र रोगी मुफ्त में अपना उपचार करवा सकते हैं । नंद सेवा संकल्प समिति व गर्ग परिवार आम पीडित जनों से अपील करते हैं कि आप निशुल्क चिकित्सा शिविर का लाभ लें।पंजीयन के लिए 7987096619, 9752472830, 9977034600, 9425107301 पर संपर्क करे।

स्वच्छता पखवाड़ा अंतर्गत ली स्वच्छता की शपथ

मंदसौर, 06 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। महारानी लक्ष्मीबाई शासकीय कन्या उमावि मन्दसौर में स्वच्छता पखवाड़ा अंतगर्त स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। साथ ही छात्राओ को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। सभी स्टाफ कर्मचारियों ने विद्यालय के बगीचे की सफाई की घर ,परिवार, विद्यालय के आसपास गंदगी न हो, उनसे होने वाली बीमारियों से अवगत कराया।

इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य श्री के.सी सोलंकी द्वारा स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने, स्वच्छता को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाने के लिए संदेश दिया । जिससे की अपना एवं परिवार का स्वास्थ्य ठीक रहे व वातावरण स्वच्छ रहे। आपने कहा कि स्वास्थ्य ठीक रहने से, समाज और देश के प्रति कर्तव्यों का हम निर्वहन उत्तम ढंग से कर पाएंगे। इस अवसर पर श्री हामिद खान जैदी, श्री महेश त्रिवेदी, श्री गोपाल सुनार्थी, श्री राजेश रत्नावत, श्रीमती रेणुका आचार्य श्री सुरेशचंद्र बोराणा, श्रीमती रचना आर्य, श्री रघुनंदन चतुर्वेदी श्रीमती रचना आर्य आदि शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थीं।

स्वच्छता में सहयोग देने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है-पंचारिया

मंदसौर, 06 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। राजनीति एवं प्रशासन के हर मंच से सामाजिक संस्थाओं से सहयोग करने के लिए आगे आने हेतु आह्वान किया जाता है किंतु यहां विडम्बना देखिए कि 'अनुराग' संस्था द्वारा 2 वर्ष पूर्व भगवान श्री पशुपतिनाथ की नगरी मन्दसौर को स्वच्छ व सुन्दर बनाने के लिए एक प्रस्ताव स्वच्छता में सहयोग प्रदान करने की पवित्र भावना के साथ नगर पालिका प्रशासन को प्रस्तुत किया गया था । तत्पश्चात तीन - चार बार प्रत्यक्ष रूप से मिलकर स्मरण भी कराया गया लेकिन आज तक कोई कदम नहीं उठाया गया। यह बडे ही खेद का विषय है। लेकिन मन्दसौर अनुरागियों का संघर्ष जारी रहेगा। पुन: विनम्र निवेदन के साथ आशा है कि नगर पालिका प्रशासन शीघ्र ही अनुराग संस्था के स्वच्छता प्रस्ताव को स्वीकार कर उसे लागू करेगा ताकि स्वच्छता में मन्दसौर नगर श्रेष्ठबन सके। उक्त बात गोपालकृष्ण पंचारिया ने कही। वे अनुराग संस्था द्वारा प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को स्वच्छता, पर्यावरण व जल संवर्धन को लेकर निकाली जाने वाली जनजागरण पदयात्रा के अवसर पर अपनी भावना व्यक्त कर रहे थे । अनुराग जनजागरूकता पद यात्रा में वरिष्ठ पत्रकार विक्रम विद्यार्थी, हरिनारायण माथुर, मनोहरलाल शर्मा, रामचंद्र रैकवार, आदि गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया।

कचरे का रिसाइकलिंग करने में होगी आसानी

मनासा, 06 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। निकाय मनासा में स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के अंतर्गत व स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के तहत नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती सीमा अजय तिवारी एवं मुख्य नगर पालिकाअधिकारी रितेश कुमार पाटीदार के निर्देशन में और उप यंत्री श्री रवीश कादरी जी के नेतृत्व में निकाय ट्रेंचिंग ग्राउंड पर ठोस एवं तरल अपशिष्टप्रबंधन के पुन: चक्रण हेतु गीले कचरे से जैविक खाद निर्मित के लिए कंपोस्टिंग मशीन अथवा सूखा कचरा प्लास्टिक पुन: चक्रण प्रक्रिया के लिए श्रेडर मशीन आज प्राप्त हुई। अब कचरे को पुन: चक्रण करने में होगी बडी आसानी, नगर परिषद मनासा को स्वच्छ भारत मिशन को बढावा देने के लिए मिली एक नई सौगात।

लायंस डायनेमिक ने स्कूल बेग व स्टेशनरी वितरीत की

मंदसौर, 06 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। शासकीय सीएम राइज विद्यालय साबाखेडा में लायंस क्लब मंदसौर डायनेमिक के द्वारा शाला में अध्ययनरत कक्षा 2 के 40 छात्र-छात्राओं को स्कूल बैग, कक्षा 1 से 12वीं तक के समस्त 875 छात्र-छात्राओं को स्टेशनरी पेन एवं पर्स वितरित किए गए। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष चित्रा मंडलोई ने कहा कि शिक्षक बच्चों के भविष्य एवं राष्ट्र के निर्माता हैं। हमें गुरू शिष्य परंपरा को फिर से स्थापित करना होगा। जिससे बच्चों के बेहतर सफल भविष्य के निर्माण में शिक्षक अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। आपने बच्चों से कहा कि विकसित देश के निर्माण में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी इसलिये खुब पढ लिखकर भारत के उज्ज्वल भविष्य में अपना योगदान दे। क्लब सदस्याओं द्वारा स्वच्छता पखवाडे के अंतर्गत शाला में बच्चों के साथ साफ सफाई भी की तथा आम के पौधे भी लगाए तथा बच्चों को पर्यावरण के महत्व के बारे में बताया। लायंस डायनेमिक ने बच्चों को जीवन में कभी भी नशा नहीं करने की शपथ भी दिलाई। इस अवसर पर ग्राम पंचायत साबाखेडा के सरपंच श्री परमानंद धनगर, पूर्व सरपंच श्री देवीलाल पाटीदार, विद्यालय के प्राचार्य दिलीप सिंह डाबी, प्रधानाध्यापक मा.वि. श्रीमती रजनी जाटव, लायंस डायनेमिक अध्यक्ष चित्रा मण्डलोई, सचिव मनीषा सोनी, कोषाध्यक्ष प्रीति रत्नावत, सदस्य विनीता कीमती, नीता छापरवाल, सीमा जैन, नीता सोलंकी, नीलम जैसवानी, रीमा सैनी सहित सभी शिक्षक साथी उपस्थित थे।

अभा साहित्य परिषद की शारदीय कवि गोष्ठी संपन्न

मंदसौर, 06 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय साहित्य परिषद मंदसौर की शारदीय काव्य गोष्ठी वरिष्ठपत्रकार घनश्याम बटवाल के मुख्य आतिथ्य एवं कवि दिनेशचंद उपाध्याय, श्रीमती आशारानी उपाध्याय रतलाम, कवि मनोहर मधुकर जावरा, व्यंग्य लेखक रमेश मनोहर जावरा के विशेष आतिथ्य तथा श्री राजेंद्र तिवारी, नंदकिशोर राठौर, विजय अग्निहोत्री, नरेंद्र भावसार, नरेंद्र त्रिवेदी, अजय डांगी, श्रीमती चंदा डांगी, सुरेंद्र शर्मा पहलवान साहब तथा ध्रुव जैन की उपस्थिति में नए वैद्यम रिसोर्ट मंदसौर में संपन्न हुई। कार्यक्रम में वरिष्ठकवि राजेंद्र तिवारी को साहित्य साधना पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर बोलते हुए श्री बटवाल ने कहा कि श्री सत्यमित्रानंदजी के परम शिष्य श्री राजेंद्र तिवारी मेरे गुरु भाई हैं। आपने सच्चे अर्थों में सर्त्यमित्रानंद जी की विरासत को धर्म एवं कर्म के रूप में अपने जीवन में उतारा है। सरल एवं निर्मल हृदय के श्री तिवारी को साहित्य साधना हेतु सम्मान प्रदान किया यह हमारे गुरुदेव की ही कृपा है।

काव्य गोष्ठी में नंदकिशोर राठौर ने मालवी कविता या है मालवा की माटी अटे छाछ पीवे खाटी, कूट कुटाई ने बने चूरमो उड़द की दाल ने बाटी प्रस्तुत की। विजय अग्निहोत्री ने दूरी न सही जाए जीवन के सफर में गीत सुनाया। ध्रुव जैन ने कच्ची पक्की डगर पर चलने देते कविता सुनाई। नरेंद्र भावसार ने नया प्यार नई तकरार सैयां ले चल तू बाजार कविता सुनाई। दिनेश उपाध्याय ने बेटियों पर सुंदर गीत बेटियां हमारी आज समझदार हो गई अपने ही घर में अपना परिवार होगई सुनाया। श्रीमती उपाध्याय ने गजल रश्म वफा मिटा के जिंदा है आदमी आबादियों के शहर में तनहा है आदमी प्रस्तुत की। मनोहर मधुकर ने प्रेम गीत मन की बातें लिख भेजी हैं इन्हें अन्यथा मत लेना सुनाया। रमेश मनोहर ने अपने व्यंग सनिकाएं दोहे तथा गजल की प्रस्तुति दी। मोहित गोस्वामी ने मालवी रचना तू तो दूध झाइयां लागे मने धोरी धोरी सुनाया। सुनील वैष्णव ने कितनी पीडा देकर कवि का सृजन जन्म लेता है सुनाई। योगेश शर्मा ने राम शबरी प्रसंग को सुनाया। विनोद सेन ने हास्य रचना बिच्छू सी जहरीली सुनाया। सुरेंद्र शर्मा पहलवान ने कुदरत का करिश्मा तो देखो गीत सुनाया। कार्यक्रम का आरंभ ब्रह्मलीन श्री सत्यमित्रानंदजी की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ सरस्वती वंदना से हुआ। कार्यक्रम का संचालन नरेंद्र भावसार ने किया एवं आभार नरेंद्र त्रिवेदी ने माना। सभी कवियों ने श्री राजेंद्र तिवारी को साहित्य साधना पुरस्कार मिलने की बधाई दी।

आस्था और विश्वास का अदभुत नजारा देखने को मिलता है मां आंवरी माता जी के दरबार में

नीमच, 06 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। नीमच जिले के ग्राम चीताखेडा के समीप छोटे से गांव माता जी खेडा में नवरात्रि में आस्थाव और विश्वादस का अदभुत नजारा देखने को मिलता है। नवरात्रि में आवरी माता जी के मंदिर में म.प्र. एवं राजस्थातन के विभिन्नल जिलों से हजारों श्रृद्धालु यहॉ दर्शन करने आते है। म.प्र. एवं राजस्थातन की सीमा पर स्थित मॉ आवरी माताजी का यह दरबार क्षेत्रवासियों के लिए आस्थार और विश्वास का केंद्र है। मंदिर में पुजारी कारूलाल मीणा बताते है, कि उनकी पांच पीढी से इस मंदिर में पूजा अर्चना की जा रही हैं। मान्य ता हैं, कि लगभग तीन सौ वर्ष पूर्व आवरी माता मंदिर परिसर में स्थित वट वृक्ष के नीचे माँ की मूर्ति प्रकट हुई थी। जिसे बाद में मंदिर बनाकर यहाँ प्राण प्रतिष्ठाव की गई है। मान्यपता है, कि माताजी के इस दरबार में प्रतिदिन सैकडों लकवाग्रस्तस मरीज दर्शन करने आते है, और यहां दर्शन, पूजा अर्चना कर भभूत का सेवन करने से रोग मुक्त् हो जाते है। यहां चैत्र नवरात्रि में मेला लगता है। मंदिर प्रबंध समिति द्वारा मांदिर परिसर में श्रृद्धालुओं की सुविधा के लिए विभिन्नि कार्य करवाये गये है। इस मंदिर के प्रति क्षेत्र के लोगों में अपार आस्थाी और विश्वाभस का भाव है, जो श्रृद्धालुओं को यहां दर्शन के लिए खीच लाता है।

सहकारिता प्रशासक कुमावत पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप, एक माह बीतने पर भी...

कोई कार्यवाही नहीं होने से कर्मचारियों में असंतोष और निराशा

मंदसौर, 06 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। 8 अगस्त 2024 को जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक, मंदसौर के अंतर्गत आने वाली शाखा सुवासरा के कर्मचारियों ने सहकारिता प्रशासक रामप्रसाद कुमावत पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए एक आवेदन उप आयुक्त सहकारिता मंदसौर को दिया। इन आरोपों में मुख्यत: वेतन वृद्धि, पदोन्नति और नियुक्ति जैसी प्रक्रियाओं में रिश्वत की मांग और कर्मचारियों के वेतन में मनमानी कटौती शामिल है। कर्मचारियों ने इस संबंध में उपमुख्यमंत्री और अन्य वरिष्ठअधिकारियों को शिकायत भेजी थी, लेकिन एक माह बीत जाने के बाद भी कोई कार्रवाई न होने से कर्मचारियों के बीच रोष और चिंता की स्थिति बनी हुई है।

आरोपों की गंभीरता–कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि रामप्रसाद कुमावत ने विभिन्न कर्मचारियों से वेतन वृद्धि और स्थाई नियुक्ति के लिए जबरन पैसे की मांग की। सुवासरा शाखा के प्रबंधक हरीराम पाटीदार सहित अन्य कर्मचारियों ने बताया कि कुमावत ने उनके वेतन से भी अनुचित कटौतियां कीं और रिश्वत लेकर ही उनका वेतन जारी किया। शिकायतकर्ताओं ने कहा कि कर्मचारी राधेश्याम व्यास का तीन महीने का वेतन रोक लिया गया था, और उसे 30,000 रुपये की रिश्वत देने के बाद ही वेतन दिया गया। शिकायत में आगे बताया गया है कि कुमावत ने खाद, भाडा, हम्माली और अन्य खर्चों के बिलों को स्वीकृत करने के लिए भी रिश्वत की मांग की। मार्च 2024 में कर्मचारियों की वेतन वृद्धि हुई, लेकिन कर्मचारियों का आरोप है कि कुमावत ने उस वेतन वृद्धि का 100% हिस्सा अपने पास रख लिया। इसके अलावा, अनुग्रह अनुदान की राशि में से भी 60,000 रुपये का गबन किया गया, जिससे कर्मचारियों में काफी आक्रोश है।

कर्मचारियों में असंतोष और निराशा–कर्मचारियों ने उप मुख्यमंत्री, जिला कलेक्टर और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को शिकायत भेजीं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई न होने से कर्मचारियों में असंतोष और निराशा बढ रही है। राधेश्याम व्यास, जो प्रमुख शिकायतकर्ताओं में से एक हैं, ने बताया कि उन्होंने सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायत दर्ज करवाई, लेकिन वहां से भी कोई संतोषजनक उत्तर नहीं मिला। व्यास ने आगे कहा, हमारी शिकायत को एक माह हो चुका है, लेकिन अभी तक हमें किसी भी प्रकार की कार्यवाही के संकेत नहीं मिले हैं। यह स्थिति हमारे मनोबल को गिरा रही है और हम सभी मानसिक रूप से प्रताडित महसूस कर रहे हैं।

नेमीचंद राठौर

कर्मचारी की स्थिति और भ्रष्टाचार की जड़ें–कर्मचारियों का आरोप है कि कुमावत न केवल व्यक्तिगत लाभ के लिए रिश्वत की मांग कर रहे हैं, बल्कि सहकारी बैंक के अंदर भ्रष्टाचार को गहराई तक फैला रहे हैं। उनका कहना है कि भ्रष्टाचार की यह प्रवृत्ति केवल आर्थिक नुकसान ही नहीं, बल्कि बैंक की साख और कर्मचारियों के मनोबल को भी गंभीर रूप से प्रभावित कर रही है। शिकायतकर्ताओं ने यह भी दावा किया कि कुमावत द्वारा की जा रही यह अवैध वसूली बैंक के अन्य खर्चों पर भी लागू होती है। उदाहरण के तौर पर, खाद, भाडा और अन्य खर्चों के बिलों को पास करने के लिए कुमावत ने रिश्वत की मांग की।

कार्यवाही की मांग और असमंजस–कर्मचारी अब यह जानना चाहते हैं कि क्यों, एक महीने बीतने के बावजूद, कोई कार्रवाई नहीं की गई है। उनकी मांग है कि रामप्रसाद कुमावत के खिलाफ तुरंत कडी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में अन्य कर्मचारियों को इस प्रकार की प्रताडना का सामना न करना पडे। उन्होंने यह भी मांग की है कि उनसे ली गई रिश्वत की राशि को वापस किया जाए और संबंधित अधिकारियों से जांच के लिए उचित कदम उठाए जाएं। पत्र के संदर्भ में सहकारिता विभाग के उप आयुक्त राजू डावर से कई बार संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। 'हमने श्री डावर को मोबाइल पर संपर्क किया, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया,

भविष्य की दिशा–अब यह देखना बाकी है कि विभाग इन आरोपों पर कब और कैसे कार्रवाई करता है। हालांकि, फिलहाल की स्थिति में कर्मचारियों की उम्मीदें धूमिल हो रही हैं। उनका कहना है कि यदि जल्द ही उचित कदम नहीं उठाए गए, तो वे सामूहिक रूप से उच्च न्यायालय में याचिका दायर करने या बडे पैमाने पर आंदोलन करने का विचार कर रहे हैं। इस पूरे मामले से सहकारी बैंक और उसके संचालन पर गंभीर सवाल खडे हो रहे हैं, और यह स्पष्ट है कि अगर जल्द ही कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, तो स्थिति और बिगड़ सकती है। कर्मचारियों ने उम्मीद जताई है कि जल्द ही न्याय मिलेगा और उनके अधिकारों की रक्षा की जाएगी।

इंदौर सराफा में 31 को मनेगी दीपावली

महाकाल मंदिर का मत और प्रदोष काल बना आधार

इंदौर, 06 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। दीपपर्व की जगमग और खास सजावट के लिए मशहूर सराफा बाजार में दीपावली 31 अक्टूबर को मनेगी। इंदौर चांदी-सोना-जवाहरात व्यापारी एसोसिएशन ने रोशनी के त्योहार की तिथियों को लेकर जारी असमंजस के बीच यह घोषणा की है।

दो दिन पहले सियागंज के व्यापारियों ने एक नवंबर को दीपावली मनाने की घोषणा की थी। हालांकि सराफा बाजार में तय हुआ कि महाकाल मंदिर का मत और जनता की सुविधा के लिहाज से वे 31 अक्टूबर को ही दीपावली मनाएंगे। सराफा व्यापारी एसोसिएशन की बैठक में शनिवार को सर्वसम्मति से उपरोक्त निर्णय लिया गया। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने इस पर व्यापारियों का मत लिया था।

परंपरा को बताया वजह–व्यापारियों ने कहा कि महाकाल मंदिर में 31 को ही दीपावली मनाई जा रही है। ऐसे में उज्जैन के पंचांग और महाकाल से उम्र किसी का मत नहीं हो सकता। दूसरा कारण व्यापारियों ने लोगों की सुविधा और सामान्य परंपरा को भी वजह बताया।

रात में होता है दीपावली पूजन–सराफा व्यापारी एसोसिएशन के मंत्री अविनाश शास्त्री के अनुसार दीपावली पूजन भी रात्रि में होता है। 31 अक्टूबर को रात में अमावस्या तिथि रहेगी। अगले दिन एक नवंबर को सिर्फ शाम छह बजे के पहले तक अमावस्या है। ऐसे में भी तार्किक रूप से दीपावली 31 अक्टूबर को ही मनाना उचित लग रहा है।

सियागंज में चार नवंबर को मुहूर्त के सौदे–सराफा से दो दिन पहले सियागंज व्यापारी एसोसिएशन ने एक नवंबर को दीपावली मनाने का निर्णय ले लिया था। व्यापारी एसोसिएशन ने इंदौर के पंडितों की राय के आधार पर यह तय किया था। एसोसिएशन के अध्यक्ष रमेश खंडेलवाल ने कहा कि बाजार में वैसे भी मुहूर्त के सौदे दीपावली के बाद किए जाते हैं। उसके लिए चार नवंबर की तारीख तय की गई है।

संभाग की मांग को लेकर मंदसौर नागरिक मंच द्वारा पांचवे दिन भी पोस्टकार्ड अभियान चलाया

मंदसौर, 06 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर नागरिक मंच के तत्वावधान में संभाग बनाओ अभियान के अंतर्गत गांधी चौराहा पर 2 अक्टूबर से प्रतिदिन पोस्टकार्ड अभियान चलाया जा रहा है। पोस्टकार्ड अभियान के पांचवे दिन मंदसौर नागरिक मंच कोर कमेटी के सदस्य गण पोस्टकार्ड अभियान को संचालित करते हुए यहां उपस्थित हुए,आम जनों को जो गांधी चौराहा क्षेत्र से आवागमन कर रहे हैं उन्हें मुख्यमंत्री के नाम पोस्टकार्ड लिखने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। एक लाइन मुख्यमंत्री के नाम पोस्टकार्ड में यह लिखनी है कि मुख्यमंत्री जी मंदसौर को संभाग बनाया जाए यह एक लाइन का संदेश पोस्टकार्ड के माध्यम से मुख्यमंत्री निवास तक भेजा जाएगा। मंदसौर क्षेत्र के लोगों की यह एक न्यायोचित मांग है उस पर मुख्यमंत्री और मध्य प्रदेश शासन का ध्यान आकर्षित कराया जाएगा। रविवार के दिन यहां संभाग बनाओ आंदोलन की कोर कमेटी के सर्व श्री गुरु चरण बग्गा, नरेंद्र अग्रवाल, ब्रजेश जोशी, हिम्मत डांगी, उमेश पारिख, रत्नेश कुदार,अर्जुन डाबर,पुष्पेंद्र भावसार , शरद धींग,आदि यहां उपस्थित थे जिन्होंने पोस्टकार्ड अभियान को यहां पर चलाया नगर के अनेक गणमान्य जनों ने भी यहां उपस्थित होकर अपने हाथों से पोस्टकार्ड लिखे और आम जनों से भी आह्वान किया गया। आज मन्दसौर एम आर यूनियन एवं प्रयास सेवा समिति के सदस्यों ने अपनी भागीदारी निभाई

यहां प्रतिदिन अपनी सेवाएं अजीजुल्ला खान खालिद सीमा चोरडिया और राधेश्याम मालवीय दे रहे हैं। रविवार के दिन यहां विश्व हिंदू परिषद के महामंत्री हेमंत बुलचंदानी, डॉ. भानु प्रताप सिंह सिसोदिया, सुरेश भावसार,शंभूसेन राठौर,रमेश चौहान,जितेंद्र शर्मा,जितेंद्र देवडा,संतोष इंदौरा कन्हैयालाल सोनगरा, बंसीलाल टॉक, शिव शर्मा, अक्षय मारू,विजय कोठारी, सुधीर शर्मा,दिनेश चंदवानी, विमल जैन मच्छी रक्षक,आदि भी सम्मिलित हुए। सभी ने आम जनों से अधिक से अधिक संख्या में पोस्टकार्ड अभियान में शामिल होने का आह्वान किया। इस अवसर पर मयूरेश व्यास का जन्मदिन मनाया गया।

आज भावसार समाज देगा सेवा–पोस्टकार्ड अभियान के छठे दिन 7 अक्टूबर सोमवार को प्रात: 10 से 12 बजे भावसार समाज के महानुभाव अभियान में भाग लेंगे।

गरबोत्सव में भी चलाया जा रहा है पोस्ट कार्ड अभियान–जो शारदीय नवरात्रि पर्व के अंतर्गत मंदसौर नगर के विभिन्न गरबा प्रांगणों में चल रहे गरबा उत्सव में भी मंदसौर को संभाग बनाने की मांग लेकर पोस्टकार्ड अभियान चलाया जा रहा है। बीती रात संभाग बनाओ कोर कमेटी के सदस्य नरेंद्र अग्रवाल ब्रजेश जोशी, उमेश पारिख और संजय वर्मा ने श्री नव शक्ति गरबा मंडल जीवागंज, गांधीनगर में आयोजित नवदुर्गा महोत्सव समिति और मेघदूत नगर में गरबा महोत्सव में वहां मौजूद मातृशक्ति और अन्य लोगों को पोस्टकार्ड देकर इस अभियान में शामिल होने का आह्वान किया गया। जीवागंज में मनीष सोनी,विजय सक्सेना,गांधी नगर में धर्मपाल सिंह देवडा,सुनील बसेर और मेघदूत नगर में राजकुमार अग्रवाल और जितेंद्र पोरवाल ने पोस्टकार्ड अभियान का दायित्व निभाया।।

खाटूश्याम जी के कपाट बुधवार को रहेंगे बंद

सीकर, 6 अक्टूबर। राजस्थान के प्रसिद्ध मंदिरों में शुमार बाबा खाटू श्याम जी मंदिर को लेकर ताजा अपडेट सामने आया है। सीकर जिले में स्थित खाटू धाम के कपाट 9 अक्टूबर यानी बुधवार को बंद रहेंगे। ऐसे में श्रद्धालु मंदिर में बाबा के दर्शन नहीं कर पाएंगे। श्री श्याम मंदिर कमेटी ने इस संबंध में सूचना जारी है। बता दें कि पिछले महीने भी 9 तारीख को मंदिर के कपाट बंद रहे थे। श्री श्याम मंदिर कमेटी की ओर से जारी बयान में बताया कि खाटू श्याम जी मंदिर के पट 8 अक्टूबर की रात 10 बजे से अगले दिन 9 अक्टूबर को शाम 5 बजे तक बंद रहेंगे। इस दौरान श्रद्धालु बाबा खाटू श्याम के दर्शन नहीं कर पाएंगे। दरअसल, खाटू श्याम जी मंदिर में विशेष पूजा के कारण महीने में एक बार ऐसी व्यवस्था की जाती है। पंरपरा के अनुसार महीने में एक बार मंदिर में तिलक श्रृंगार एवं विशेष पूजा की जाती है। जिसके चलते श्रद्धालुओं के लिए बाबा के कपाट बंद रखे जाते है। इसी महीने में भी 9 अक्टूबर को मंदिर के पट बंद रहेंगे। जिसकी सूचना कमेटी ने जारी कर दी है। ताकि 9 अक्टूबर को बाबा के दरबार में आने वाले श्रद्धालु को परेशानी ना हो और वो अपने कार्यक्रम में थोडा बदलाव कर सकें।

हनुमान चालीसा का होगा सामूहिक पाठ, वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की तैयारी

दशपुर दशहरा उत्सव समिति की बैठक में हुआ निर्णय, घर-घर से हनुमान निकलकर आएंगे विजया दशमी पर कालेज मैदान में

मंदसौर, 06 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। दशपुर दशहरा उत्सव समिति तत्वाधान में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी विजयादशमी पर्व 12 अक्टूबर शनिवार को मंदसौर के कॉलेज मैदान में दशहरा उत्सव का होगा भव्य आयोजन जहां पर संध्या 6:30 बजे रावण ,मेघनाथ एवं कुंभकरण के पुतलों के दहन के साथ भव्य आकर्षक आतिशबाजी के अनोखे नजारे मंदसौर शहर वासियों को देखने को मिलेंगे। इसके साथ इस बार दशहरा उत्सव समिति नए नवाचार करने जा रही है दशहरा उत्सव में आने वाले सभी नगरवासी ,मातृशक्ति एवं युवा भाई बहन नन्हे मुन्ने बच्चे भगवान हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ करते हुए एक रिकॉर्ड कायम करेंगे। समिति की बात रिकॉर्ड हेतु लिम्का बुक एवं अन्य संस्थाओं से चल रही है साथ ही आयोजन स्थल कॉलेज मैदान पर आने वाले प्रत्येक व्यक्ति के मस्तक कुमकुम एवं चंदन तिलक लगाकर उनका प्रवेश द्वार पर स्वागत सत्कार किया जाएगा। ऐसा बिरला आयोजन मंदसौर शहर में पहली बार होगा।

यह महत्वपूर्ण निर्णय रविवार को कुशाभाऊठाकरे आडोटोरियम में दशपुर दशहरा उत्सव समिति के अध्यक्ष डॉ भानु प्रताप सिंह सिसोदिया की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में लिया गया है। बैठक में अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक गौतम सिंह सौलंकी, समिति के संरक्षक नरेंद्र अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल हक्कू भाई ,मुकेश काला, महाविद्यालय जन भागीदारी समिति के

अध्यक्ष नरेश चंदवानी, पूर्व अध्यक्ष संजय वर्मा, समाजसेवी नंदू भाई आडवाणी , प्रदीप भाटी, रखबचन्द जैन, नाहरू खा मेव, मंचस्थ थे। अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक गौतम सिंह सोलंकी ने बैठक में कहा कि मंदसौर शहर में उत्सवों की एक परंपरा है उन परंपरा का निर्वहन दशहरा उत्सव समिति परंपरागत रूप से अच्छे तरीके से करती है। आवश्यकता है समिति को भी ऐसे बडे आयोजन में अनुशासन के साथ उत्सव अच्छे से हो ताकि वहां आने वाले किसी व्यक्ति को अपनी वजह से कोई परेशानी ना हो। बडे आयोजनों में प्रशासनिक स्तर पर तो व्यवस्था सुनिश्चित की जाती है लेकिन समिति की भी अपनी जिम्मेदारी होती है कि वह अपने कार्यकर्ताओं को कार्य का विभाजन करें। आज की मीटिंग में दशहरा उत्सव समिति ने जो कार्यों का विभाजन किया है वह सराहनीय है। समिति के संरक्षक नरेंद्र अग्रवाल ने कहा कि 35 वर्षों से मंदसौर शहर में परंपरागत रूप से दशहरा उत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है । तत्कालीन नगर पालिका अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया की पहल पर दशहरा उत्सव का आयोजन कॉलेज मैदान में आरंभ हुआ जिससे आमजन को आने-जाने में सुविधा हुई और आयोजन भी भव्यता के साथ होने लगा है। इस बार समिति ने नए नवाचार हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ करने का जो लिया है वह मंदसौर में इतिहास रचेगा और वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाएगा। श्री अग्रवाल ने कहा कि दशहरा उत्सव के माध्यम से हम मंदसौर शहर वासियों को सनातन संस्कृति का संदेश भी देना चाहते हैं इसलिए इस बार कॉलेज मैदान के सभी प्रवेश द्वार पर कुमकुम एवं चंदन तिलक लगाया जाएगा और भी अनेक प्रकार के नए नवाचार के साथ मंदसौर को संभाग बनाने की जो मांग के तहत पोस्टकार्ड अभियान भी दशहरा पर्व पर कॉलेज मैदान में चलाया जाएगा। श्री अग्रवाल ने प्रस्ताव रखा कि समिति का नामकरण दशपुर सांस्कृतिक उत्सव समिति किया जाए ताकि दशहरा उत्सव ही नही बल्कि वर्षभर के विभिन्न उत्सव इस समिति के माध्यम से हो सके।

समिति के अध्यक्ष डॉ भानु प्रताप सिंह सिसोदिया ने कहा कि मंदसौर इस बार दशहरा उत्सव में नए नवाचार करते हुए सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया जाएगा हनुमान चालीसा का पाठ राम कथा के मर्मज्ञ विद्वान पंडित दशरथ भाई जी के सानिध्य में होगा। 51000 भक्त एक साथ भगवान हनुमान चालीसा का पाठ करके मंदसौर के इतिहास का एक सबसे बडा रिकॉर्ड कायम करने की और होंगे अग्रसर । कॉलेज मैदान में इस बार रावण के पुतला 77 फीट का होगा। मेघनाथ कुंभकरण के 41- 41 फीट के पुतले होंगे और कोटा बूंदी के कलाकार आकर्षक आतिशबाजी के नजारे दिखाएंगे दशहरा उत्सव समिति आप सभी मालवांचल वासियो से अनुरोध करती है कि आप भी अपने-अपने घर से नन्हे मुन्ने बच्चो को एक-एक हनुमान बनाकर उत्सव में शामिल होए ताकि दशहरा उत्सव पर चहु ओर कॉलेज मैदान में हनुमान ही हनुमान नजर आए । डॉ सिसोदिया ने कहा कि कॉलेज मैदान के परिसर में राम लक्ष्मण हनुमान जी मंच पर विराजित होंगे विधि विधान से हनुमान चालीसा का पाठ होगा तो वहीं दूसरी ओर भगवान हनुमान जी की एक विराट प्रतिमा वाली झांकी भी मैदान में लगाई जाएगी महाविद्यालय जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष नरेश चंदवानी ने कहा कि मंदसौर शहर का यह सबसे बडा उत्सव है इस उत्सव में हम सब शहर वासियों को सपरिवार आना चाहिए और इस बार जो विश्व रिकॉर्ड बनाना है उसे रिकॉर्ड को हनुमान चालीसा का पाठ करके आपको पूरा करना है। समिति के संरक्षक नंदकिशोर अग्रवाल हक्कू भाई ने कहा कि मंदसौर में नए-नए नवाचार करने की एक परंपरा है। दशपुर दशहरा उत्सव समिति के अध्यक्ष डॉ भानु प्रताप सिंह सिसोदिया ने जो इस बार भगवान हनुमान चालीसा के सामुहिक पाठ का रिकॉर्ड बनाने का जो संकल्प लिया उस हम सभी नगर वासियो को पूरा करना है। समिति के संरक्षक मुकेश काला ने कहा कि यह मन्दसौर की सबसे बडी ओर विश्वसनीय समिति है यदि यह समिति कोई बीडा उठाती है तो वह कार्य भी हमेशा पूर्ण होता हैं। ओर फिर यह कार्य तो भगवान हनुमान जी का है इसे आप नही स्वयं भगवान हनुमान जी पूरा करेंगे। समिति के पूर्व अध्यक्ष संजय वर्मा ने पिछले वर्ष के अपने अनुभव सुनाते हुए कहा कि रामकाज में कभी कोई दिक्कत नहीं आती है और भगवान हनुमान चालीसा का पाठ करने का जो संकल्प समिति ने लिया है वह संकल्प पूरा होगा और 51000 नहीं बल्कि 1लाख शहर वासी इस संकल्प को पूरा करने के लिए कॉलेज मैदान में उपस्थित होंगे। इस अवसर पर समाजसेवी नाहरू भाई, रखबचन्द जैन, प्रदीप भाटी ने भी अपने विचार रखे। बैठक का संचालन दिनेश नागर ने किया तथा आभार राजेश पाठक ने माना।

कॉलेज मैदान एवं पुतलों का क्या अवलोकन–अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक गौतम सिंह सोलंकी ने समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यों के साथ कॉलेज मैदान का अवलोकन कर व्यवस्था संबंधी जानकारी ली । साथ ही अपने रावण ,मेघनाथ एवं कुंभकरण के पुतलो को बनते हुए भी देखा और कारीगर अब्दुल सत्तर के परिजनों से चर्चा की।

रक्त देकर जान बचाने का कार्य जारी

पिपलियामंडी, 06 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। सहयोग फाउंडेशन के सदस्यों द्वारा पिछले 5 वर्षों से अस्पताल में भर्ती मरीज को रक्त देकर जान बचाने का कार्य जारी है। फाउंडेशन के दीपक सोमवानी व अक्षत चौहान ने बताया कि मंदसौर में 12 वर्षीय बालक विशाल को डेंगू होने पर वह जिला अस्पताल में भर्ती था। रक्त की कमी होने पर संस्था के सदस्य सुनील पोरवाल व मोहम्मद इमरान ने तत्काल पहुंच रक्तदान कर सहयोग किया।

नगर में निकला बाल स्वयं सेवक संचलन

दलौदा, 06 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ द्वारा में नगर में रविवार को बाल स्वयंसेवकों का पथ संचलन निकला जो की नगर के मंडी के सामने स्तिथ बालाजी मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गो मंडी चौराहा, चौपाटी, प्रगति चौराहा होते हुए माहेश्वरी धर्मशाला पहुंचा जहा संचलन का समापन हुआ नगर में विभिन्न स्थानों पर सामाजिक संगठनों द्वारा पथ संचलन का स्वागत किया गया संचलन के पूर्व बालाजी मंदिर पर शस्त्र पूजन हुआ साथ ही जिला शारीरिक प्रमुख सचिन सोनी का बौद्धिक हुआ जिसमे उन्होंने कहा कि इस विश्व का पहला संगठन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ हे जिसके 99 वर्ष पूर्ण होकर 100 वे वर्ष में प्रवेश कर रहा हे उन्होंने बाल स्वयं सेवकों को बताते हुए कहा की 1 घंटे का समय हमे रोज राष्ट्र एवम समाज के लिए देने की आवश्यकता हे जिससे की समाज और व्यक्ति का निर्माण हो सके संचलन में नगर के छोटे छोटे बाल स्वयं सेवक थे जो कदम ताल मिलाकर चल रहे थे।

विहिप प्रखण्ड बैठक सम्पन्न

पिपलियामंडी, 06 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। विश्व हिन्दू परिषद् बजरंग दल मल्हारगढ प्रखण्ड की बैठक टीलाखेडा बालाजी मंदिर पर सम्पन्न हुई। जिला सहमंत्री नीलेश जैन, जिला गोरक्षा प्रमुख मनोहरसिंह ने शस्त्र पूजन, मातृ वंदना व आगामी कार्यक्रम को लेकर चर्चा की। इस अवसर पर मुकेश शर्मा, आशीष नागदा, प्रहलाद लक्षकार, गोपाल बैरागी, विनोद माहेश्वरी, ईश्वर जादव, बद्रीलाल चौहान, वीरेन्द्रसिंह, हिम्मतसिंह, दीपक माली, प्रिंस यादव, गोविन्दसिंह, प्रदीप, लोकेश चन्द्रवंशी, अंकित बैरागी, वासदेव, अभीजीत, विशालसिंह, प्रकाश पोरवाल, सुनील राठौर, धीरज बैरागी, गौरव आदि उपस्थित रहे।

आरक्षण में वर्गीकरण के खिलाफ सभी आपत्तियां सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की

वाल्मीकी और वंचित समाज के संघर्ष की जीत, सरकार से जल्द लागू करने की मांग की

मंदसौर, 06 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने आरक्षण में वर्गीकरण के ऐतिहासिक फैसले के खिलाफ लगाई हुई सभी रिव्यू पिटीशन आपत्तियों को खारिज कर दिया है ये सीधे सीधे वाल्मीकि और वंचित समाज के संघर्ष की जीत है और ये समूचे वंचित समाज में खुशी की बात है इसके लिए समस्त वंचित समाज माननीय सर्वोच्च न्यायालय का धन्यवाद ज्ञापित किया है और राज्य सरकार से मांग की है कि जल्द से जल्द इसे लागू करें ताकि आरक्षण में वर्गीकरण का फायदा समूचे वंचित समाज मध्यप्रदेश और देश को मिल सके। इस आरक्षण के आंदोलन में पूरे मंदसौर जिले के वाल्मीकि समाज एवं वंचित समाज ने जो अपनी एकता का परिचय दिया है व पुरे भारत में वाल्मीकि समाज एवं वंचित समाज ने अपनी एकता का मिसाल दी है ये उसी सघर्ष की जीत है।

इस ऐतिहासिक जीत की सभी को बहुत बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं सकल वाल्मीकि समाज अध्यक्ष राजाराम तंवर, विनोद खैरालिया, जगदीश कोडावत, मंगल कोटीयाना, चेतन गन्छैड, पवन दलोर, आंनद तंवर, भेरुलाल बारवासीया, थानसिहं घावरी, मनोहर फतरोड, विनोद छपरी, संदीप सलोद, देवेंद्र मोर्य, शेलेन्द्र डागर, सतीश खेरालिया ने दी है।

राष्ट्र प्रथम की विचारधारा को लेकर कार्य कर रही भाजपा-गुप्ता

सांसद सुधीर गुप्ता ने ग्रामीण व मंदसौर नगर में नागरिकों को दिलाई भाजपा की सदस्यता

मंदसौर, 06 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। सांसद सुधीर गुप्ता ने धुंधडका व मंदसौर में युवा, बुर्जुग और महिलाओं को पार्टी की ओर से जारी फोन नंबर 8800002024 पर मिस कॉल कर साथ ही क्यूआर कोड स्कैन करके पार्टी की सदस्यता दिलाई।

रविवार को सांसद सुधीर गुप्ता ने धुंधडका व मंदसौर नगर में रामटेकरी, सीतामउ फाटक सहित नगर की गलियों में जाकर हर वर्ग के सैकडो नागरिकों को भाजपा की सदस्यता दिलाई और सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों से अवगत कराया। सांसद गुप्ता ने सभी सदस्यों को नवरात्रि की बधाई भी। उन्होने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सबका साथ, सबका विकास की विचारधारा को लेकर काम कर रही है। वे अंतिम व्यक्ति के विकास उसके उत्थान के साथ ही राष्ट्र प्रथम की विचारधारा को लेकर कार्य कर रही और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने को लेकर दृढ संकल्पित है। उन्होने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता सिर्फ चुनाव ही नही बल्कि हमेशा जनता के बीच रहता है। पार्टी की नीतियों और विचारों को प्रचार प्रसार करता है। हमारे प्रदेश का संगठनात्मक ढांचा बहुत मजबूत है। हम पिछले कुछ वर्षों का चुनाव देखें जिसमें विधानसभा हो या लोकसभा सभी में हमारे कार्यकर्ताओं का योगदान बेहतरीन रहा। बीजेपी का कार्यकर्ता यदि निष्ठा से कार्य करता है तो उसे उसका लाभ मिलता है। जब शासन की योजना

अंतिम व्यक्ति तक पहुंचती है तो उनका पुण्य कार्यकर्ताओं को मिलता है। उन्होने कहा कि भाजपा विश्व की नंबर वन पार्टी है। आप लोगों के कारण ही संभव हो सका है। देश के निर्माण में भाजपा से जुड़ें। जिससे पीएम नरेंद्र मोदी के हाथ को मजबूत हो सके। और देश निरंतर तरक्की कर सकें।इस अवसर पर भाजपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता व गणमान्य नागरिक उपथित थे।

उज्जैन महाकाल मंदिर का प्रसाद पूरी तरह शुद्ध, लैब टेस्ट में हुआ पास

उज्जैन, 06 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर का लड्डू प्रसाद एकदम शुद्ध मिला है। इस खबर के बाद महाकाल के भक्तों में खुशी की लहर दौड गई है। इसने खाद्य सुरक्षा नियमों के 13 मानकों को पास कर लिया है। मंदिरों में अशुद्ध प्रसाद का मुद्दा तिरुपति प्रसाद विवाद के बाद सामने आया था। उज्जैन के मंडल आयुक्त संजय गुप्ता ने जानकारी दी कि लड्डूप्रसाद की भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (ऋडडअख) की मान्यता प्राप्त कुछ प्रयोगशालाओं में 13 विभिन्न प्रकार की जांच की गई, जिसमें यह प्रसाद शुद्ध पाया गया।

लड्डूप्रसाद की चार मुख्य सामग्री–✲ शुद्ध घी ✲ बेसन ✲ रवा ✲ चीनी। उन्होंने जानकारी दी कि इसमें सबसे महंगी सामग्री शुद्ध घी है। इसमें राज्य सरकार के सहकारी संस्थान उज्जैन मिल्क यूनियन द्वारा बनाए गए घी का उपयोग होता है। लड्डू बनाने के लिए हर दिन 40 मीट्रिक टन घी का उपयोग होता है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in